रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

# अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, मंगलवार 11 फरवरी 2025, वर्ष 10, अंक 390 पृष्ठ 8, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

# परीक्षा पर चर्चा:परीक्षा ही जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं है:पीएम

**परीक्षा से पहले तनाव से कैसे बचें? प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रों को दिया खास मंत्र**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से परीक्षा के तनाव को कम करने के उपायों पर चर्चा की। यह कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित प्रगति मैदान के भारत मंडपम में सुबह 11 बजे से शुरू हुआ। यह पीपीसी का आठवां संस्करण है और इस साल इसमें विशेष रूप से परीक्षा से संबंधित तनाव को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। पीएम मोदी में परीक्षा पे चर्चा में शामिल हुए छात्रों के साथ सुंदर नर्सरी में पेड़ भी लगाया। पीएम मोदी ने कहा जैसे ये पेड़ लगाए है, पानी पिलाने का उपाय क्या है। उन्होंने आगे बताया कि पेड़ के बगल में एक मिट्टी का मटका लगा देना चाहिए और उसमें एक महीने में पानी डालना चाहिए। इससे पेड़ का ग्रोथ कम पानी से भी होगा।

**खुद को मोटिवेट कैसे करें?** एक छात्र ने पीएम मोदी से पूछा कि उसे पेपर छूटने का डर रहता है। इस पर पीएम मोदी ने सलाह दी कि वह पिछले सालों के पेपर सॉल्व करें, इससे उसका डर खत्म हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों को केवल उन सवालों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो महत्वपूर्ण हैं। खुद को मोटिवेट करने के लिए गोल्स बनाइए। उन्हें हासिल कर लेने के बाद खुद को रिवॉर्ड दें।

**गलतियों से सीखें** पीएम मोदी ने कहा कि कक्षा 10 और 12 के लगभग 40-50 प्रतिशत छात्र असफल होते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यही उनका अंतिम लक्ष्य है। स्कूल में या जीवन में सफलता और असफलता के बीच अंतर को समझना जरूरी है। उदाहरण देते हुए कहा कि क्रिकेट खिलाड़ी दिन के अंत में अपनी गलतियों पर विचार करते हैं और उन पर काम करते हैं, छात्रों को भी यही करना चाहिए। उनके अनुसार, आपके अंक आपको नहीं, बल्कि आपके जीवन को दिखाते हैं।

**टेक्नोलॉजी का सही उपयोग कैसे करें?** प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रों को टेक्नोलॉजी के सही उपयोग के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी कोई खतरनाक तूफान नहीं है जो आपको गिरा देगा। इनोवेशन आपकी भलाई के लिए हैं। टेक्नोलॉजी का सही तरीके से इस्तेमाल करें और अपने समय को बर्बाद करने वाली गतिविधियों से बचें।

**शिक्षकों और अभिभावकों को भी दिया खास संदेश** पीएम मोदी ने परीक्षा पे चर्चा के दौरान शिक्षकों और अभिभावकों को भी एक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हर बच्चा खास होता है, उनकी किसी दूसरे से तुलना मत करें। बच्चों के ऊपर प्रेशर मत डालिए। बच्चा खुद पहले से बेहतर करने और बनने की कोशिश करता है।

**परीक्षा से पहले स्ट्रेस से कैसे बचें?** परीक्षा से पहले स्ट्रेस के सवाल पर पीएम मोदी ने पूछा कि यह मुसीबत शुरू कहां से होती है। तनाव और डिप्रेशन होने के लक्षण नजर आने लगते हैं। अपने मन की दुविधाओं को लोगों के साथ बांटना सीखें। इससे मन शांत रहता है, साथ ही घर के किसी भी सदस्य से बात करें। पीएम मोदी ने दबाव से निपटने के बारे में बताया

क्रिकेटरों का उदाहरण देते हुए पीएम ने छात्रों को दबाव पर ध्यान न देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जिस तरह बल्लेबाज स्टेडियम में नारे और शोर को अनदेखा करके गेंद पर ध्यान केंद्रित करता है, उसी तरह छात्रों को भी दबाव के बारे में सोचने के बजाय पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

**'टीमवर्क और धैर्य सफल नेता बनने की कुंजी है' पीएम मोदी** कार्यक्रम के दौरान एक छात्र ने पीएम मोदी से पूछा कि अच्छा नेता कैसे बनें, तो पीएम मोदी ने छात्रों से कहा कि टीमवर्क और धैर्य अच्छे नेता बनने के मुख्य गुण हैं। पीएम मोदी ने कहा कि अपने साथियों का समर्थन करना और उनकी परिस्थितियों को समझना महत्वपूर्ण है। नेतृत्व किसी पर थोपा नहीं जा सकता। **हर बच्चे में होती है खासियत** एक छात्र के सवालों का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हर बच्चे में कुछ न कुछ खासियत जरूर होती है। कोई पढ़ाई में अच्छा होता है तो किसी की और चीज में अच्छा होता है। साथ ही पीएम मोदी ने उस छात्र से उसकी खासियत के बारे में भी चर्चा की।

**बिहार के छात्र ने पूछा- लीडरशिप क्या है?** परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के दौरान बिहार के एक छात्र ने पीएम मोदी से लीडरशिप से जुड़ा सवाल पूछा, जिस पर पीएम मोदी ने मजाकिया लहजे में कहा कि बिहार का छात्र हो और राजनीति से जुड़ा सवाल न हो, यह हो ही नहीं सकता।

**परीक्षा के लिए खुद को तैयार करें बच्चे** प्रधानमंत्री मोदी ने परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में परीक्षा के दौरान स्ट्रेस और रिजल्ट के बारे में बात की। उन्होंने बच्चों से पूछा कि वे इससे कैसे निपटते हैं। पीएम मोदी परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के दौरान केरल की एक स्टूडेंट की हिंदी से काफी प्रभावित हुए।

## अमेरिका में शरण के लिए भारतीय झूठे हलफनामे दे रहे: अवैध प्रवासियों के बहाने- भारत में हमें जान का खतरा

### महाकुंभ- STF चीफ अमिताभ यश विशेष विमान से रवाना:महाजाम खुलवाने 52 नए अफसर भेजे; नया ट्रैफिक प्लान लागू; राष्ट्रपति ने डुबकी लगाई।

**प्रयागराज** महाकुंभ में महाजाम से प्रयागराज शहर की ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा गई है। सीएम योगी ने सोमवार की शाम STF चीफ अमिताभ यश को विशेष विमान से प्रयागराज भेजा है। 52 नए आईएएस, आईपीएस और पीसी अफसरों को भेजा है। इनमें 4 एसपी, 5 एएसपी, 15 डिप्टी एसपी

### यातायात पुलिस ने माघी पूर्णिमा स्नान पर्व को लेकर नया ट्रैफिक प्लान किया

के अलावा 4 आईएएस और 25 पीसीएस अफसर शामिल हैं। सभी को तत्काल प्रयागराज पहुंचकर ड्यूटी जॉइन करने को कहा गया है। डीजीपी ने कहा कि अब प्रयागराज में ट्रैफिक सामान्य है। हमारे जवानों ने अपनी क्षमता से बेहतर काम किया है। 12 फरवरी को माघ पूर्णिमा स्नान है। इसके लिए मेला प्रशासन ने नया ट्रैफिक प्लान लागू किया है। 10 फरवरी की रात 8 बजे से 13 फरवरी की सुबह 8 बजे तक मेले में कोई भी वाहन नहीं चलेगा। सिर्फ प्रशासनिक अधिकारियों की गाड़ी और स्वास्थ्य विभाग के वाहन चलेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को महाकुंभ पहुंचीं। उन्होंने संगम में 3 डुबकी लगाई। भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। स्नान से पहले मां गंगा

### राष्ट्रपति ने भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। स्नान के बाद राष्ट्रपति ने गंगा पूजन किया।

को पुष्प अर्पित किए। मंत्रोच्चार के बीच गंगा पूजन और आरती की। इसके बाद राष्ट्रपति लेटे हनुमान मंदिर पहुंचीं और आरती की, फिर अक्षयवट धाम पहुंची और दर्शन-पूजन किया। राष्ट्रपति के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम योगी भी थीं। राष्ट्रपति का हेलिकॉप्टर सोमवार सुबह साढ़े 9 बजे बमरौली एयरपोर्ट पर लैंड हुआ।

## संक्षिप्त खबर

### महाबोधि मंदिर में राज्यपाल ने की पूजा-अर्चना:बोधगया की धार्मिक धरोहर को संजोने का दिया संदेश

**गया** गया में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सोमवार को महाबोधि मंदिर का दौरा किया। राज्यपाल के मंदिर पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति (BTMC) के अध्यक्ष और डीएम डॉ. त्याग राजन, सचिव डॉ. महास्वेता महारथि, मुख्य भिक्षु चालिंदा, भिक्षु दीनानंद, भिक्षु मनोज और समिति के सदस्य किरण लामा और डॉ. अरविंद सिंह ने राज्यपाल का अभिनंदन किया। राज्यपाल ने महाबोधि मंदिर में पूजा-अर्चना की और बोधि वृक्ष के नीचे ध्यान लगाया। जहां भगवान बुद्ध ने 2,500 वर्ष पहले ज्ञान प्राप्त की थी। इस दौरान उन्होंने इस ऐतिहासिक स्थल की आध्यात्मिक महत्ता को समझते हुए कहा कि भगवान बुद्ध के उपदेश शांति, सौहार्द और मानवता के लिए प्रेरणा हैं। डीएम डॉ. त्याग राजन ने राज्यपाल को मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से स्मृति चिह्न और विशेष प्रकाशन भेंट किए। उन्होंने मंदिर में चल रहे विकास कार्यों और श्रद्धालुओं के लिए की जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। वहीं, समिति की सचिव डॉ. महास्वेता महारथि ने मंदिर की ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता को बनाए रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। राज्यपाल ने कहा कि महाबोधि मंदिर न केवल बिहार की पहचान है, बल्कि यह विश्वभर में शांति और एकता का संदेश देता है। उन्होंने सरकार व प्रबंधन समिति से इस पवित्र स्थल को और अधिक आकर्षक बनाने की अपील की।

### झारखंड में नाबालिग लड़की से कई बार रेप, सौतेला पिता का शर्मनाक कांड

**कोडरमा:** झारखंड के कोडरमा जिले से मानवीय रिश्ते को शर्मसार करने वाली खबर आई है। जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र में नाबालिग लड़की से बार-बार दुष्कर्म करने के आरोप में उसके सौतेले पिता को गिरफ्तार किया गया है। लड़की की मां ने अपने पति के खिलाफ एक दिन पहले एफआईआर दर्ज कराई थी। **सौतेले पिता का शर्मनाक कांड** पुलिस के अनुसार, महिला ने एफआईआर में कहा है कि वर्ष 2016 में उसके पहले पति की मृत्यु सड़क दुर्घटना में हो गई थी। उसके बाद उसने अपनी बेटी और खुद की बेहतर परवरिश के लिए दूसरी शादी की थी। दूसरी शादी के बाद उसने एक पुत्र और एक पुत्री को जन्म दिया। **बेटी का किया बार-बार रेप** करीब डेढ़ वर्ष पहले उसकी बड़ी बेटी ने एक दिन सौतले पिता द्वारा यौन शोषण की शिकायत की। महिला इस शिकायत पर हतप्रभ थी। लोकलाज के कारण चुप रहते हुए उसने बेटी को नानी के घर भेज दिया। **पत्नी पहुंच गई पुलिस के पास** महिला ने बताया है कि कुछ दिन पहले उसका पति शिकायतकर्ता के मायके पहुंच गया और बेटी को जबरन वापस ले आया। इसके बाद वह फिर से उससे दुष्कर्म करने लगा। विरोध करने पर उसने 15 वर्षीया बेटी के साथ कई बार मारपीट भी की।

## महाकुंभ से लौट रहा परिवार हादसे का शिकार: रांची की 3 महिलाओं की मौत, 5 गंभीर रूप से घायल; खड़े ट्रक से हुई टक्कर

**हजारीबाग** झारखंड के हजारीबाग में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 3 महिलाओं की मौत हो गई। वहीं 5 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गईं। सभी महिलाएं प्रयागराज कुंभ में स्नान करके लौट रही थीं। चरही थाना क्षेत्र में हुए इस हादसे में गुमला की आशा देवी, रांची आदिवासी चौक आईटीआई की रहने वाली संजू देवी व सोनी देवी की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों में रंजू देवी, उनकी बेटी उमा देवी, बुंडू की पुनीता देवी, मांडर की अंशिता देवी और रांची की ज्योति देवी शामिल हैं।

**चरही घाटी में खड़े ट्रक में मारी टक्कर** हादसे में घायल रंजू देवी ने बताया कि रांची से पूरा परिवार 8 फरवरी की सुबह किराए की गाड़ी में प्रयागराज के लिए निकले थे। 9 फरवरी को कुंभ में स्नान करने के बाद रात में वापस लौट रहे थे। इस दौरान चरही घाटी के पास कोयला ढोने वाली मोटरसाइकिल से उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक से टकरा गई। **हजारीबाग मेडिकल कॉलेज में चल रहा इलाज** घटना के बाद सभी घायलों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लोगों की गंभीर स्थिति को देखते हुए कुछ को रेफर किया जा सकता है। मृतकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए रखे गए हैं। परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

## PM मोदी सातवीं बार फ्रांस पहुंचे:कल AI समिट में शामिल होंगे, भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि भी देंगे

**पेरिस/नई दिल्ली** PM मोदी फ्रांस की राजधानी पेरिस पहुंच गए हैं। प्रधानमंत्री के सम्मान में फ्रांस सरकार ने 10 फरवरी को मशहूर एलिसी पैलेस में VVIP डिनर का आयोजन किया है। इसमें फ्रेंच प्रेसिडेंट मैक्रों समेत कुछ और देशों के नेता मौजूद होंगे। PM मोदी का यह दौरा 2 दिनों का है। वे यहां AI समिट में शामिल होंगे और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। इसके बाद वे 12 फरवरी को अमेरिका दौरे पर रवाना हो जाएंगे। PM मोदी का यह सातवां फ्रांस दौरा है। PM आखिरी बार 2023 में फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस (बास्तिल डे) कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। **फ्रांस रवाना होने से पहले PM ने कहा-**

राष्ट्रपति मैक्रों के निमंत्रण पर मैं 10 से 12 फरवरी तक फ्रांस की यात्रा पर रहूंगा। मैं पेरिस में AI समिट की सह-अध्यक्षता करने के लिए उत्सुक हूं। फ्रांस से मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के निमंत्रण पर अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा पर जाऊंगा। मैं राष्ट्रपति ट्रम्प से मिलने के लिए उत्सुक हूं। उनके साथ पहले कार्यकाल में काम करने का अनुभव अच्छा है। PM मोदी ने बताया कि वह फ्रांस में पहले भारतीय वाणिज्य दूतावास का मार्सिले शहर में उद्घाटन करेंगे और इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर परियोजना का दौरा करेंगे। इसके साथ ही वो पहले और दूसरे वर्ल्ड वॉर के दौरान मारे गए भारतीय सैनिकों को मजारग्यूज युद्ध समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि देंगे। उन्होंने अपनी यात्रा को भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण अवसर बताया। PM ने कहा कि अमेरिका दौरे पर दोनों देशों के बीच साझेदारी को बढ़ावा देना एजेंडे में शामिल होगा।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के साथ PM मोदी, तीसरे AI समिट की सह अध्यक्षता के लिए फ्रांस ने PM मोदी को न्योता दिया था। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के साथ PM मोदी, तीसरे AI समिट की सह अध्यक्षता के लिए फ्रांस ने PM मोदी को न्योता दिया था।

**आज रात स्टेट डिनर में शामिल होंगे** प्रधानमंत्री के सम्मान में फ्रांस सरकार ने 10 फरवरी को मशहूर एलिसी पैलेस में VVIP डिनर का आयोजन किया है। इसमें फ्रेंच प्रेसिडेंट मैक्रों समेत कुछ और देशों के नेता मौजूद होंगे। 11 फरवरी को PM पेरिस के ग्रैंड पैलेस में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) एक्शन समिट 2025 की सह अध्यक्षता करेंगे। यह समिट 2023 में ब्रिटेन और 2024 में साउथ कोरिया में आयोजित हुई थी।

## मधुबनी और समस्तीपुर में स्वतंत्रता सेनानी ट्रेन पर पथराव: 12 AC कोच की खिड़की तोड़े, महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं की उमड़ी थी

**समस्तीपुर** जयनगर से नई दिल्ली जाने वाली स्वतंत्रता सेनानी सुपरफास्ट एक्सप्रेस पर सोमवार की शाम मधुबनी और समस्तीपुर स्टेशन पर पथराव किया गया। स्टेशन पर महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी थी। लोग एसी कोच में चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन अंदर से यात्रियों ने गेट बंद कर दिया था। इससे नाराज यात्रियों ने प्लेटफॉर्म पर जमकर हंगामा किया। इस दौरान पत्थरबाजी भी की। इससे करीब 12 एसी कोच के कांच टूटे हैं। कुछ यात्रियों को हल्की चोट भी लगी है।

बताया जा रहा है कि ट्रेन समस्तीपुर स्टेशन पहुंची। यहां महाकुंभ जाने वाले यात्रियों की काफी भीड़ थी। लोग ट्रेन में चढ़ने की कोशिश रहे थे, लेकिन अंदर से गेट नहीं खोला गया। घटना की सूचना मिलने के बाद आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। आरपीएफ ने हंगामा करने वाले 2 लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं, मधुबनी स्टेशन पर भी तोड़फोड़ हुआ। इसमें घायल हुए यात्रियों ने समस्तीपुर स्टेशन पर आपबीती सुनाई। कहा कि रेल प्रशासन पूरी तरह से विफल है। ट्रेन के अंदर बैठे अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि 'जयनगर से प्रयागराज जा रहे थे। कांच तोड़ने वाले भी प्रयागराज जाना चाह रहे थे। रेल प्रशासन की विफलता है। सारा गेट बंद कर दिया गया। इस स्थिति में यात्री ट्रेन में चढ़ नहीं पा रहे थे। इसलिए बाहर से कांच तोड़ दिया।' वहीं, महिला यात्रा ने बताया कि 'जयनगर से प्रयागराज जा रहे हैं। मधुबनी में भी तोड़फोड़ की गई है।' समस्तीपुर स्टेशन पर पथराव में एसी कोच का शीशा टूट गया, जिससे कुछ यात्री घायल भी हुए है। समस्तीपुर स्टेशन पर पथराव में एसी कोच का शीशा टूट गया, जिससे कुछ यात्री घायल भी हुए है। डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने कहा कि मधुबनी स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ थी।

## शिबू सोरेन की तबीयत खराब, रांची से एयर एंबुलेंस से लाया जा रहा दिल्ली, सीएम हेमंत भी हैं साथ

**झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पिता शिबू सोरेन को हेल्थ चेकअप के लिए दिल्ली ले गए हैं। शिबू सोरेन को सांस लेने में तकलीफ होने के बाद रांची के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें एयर एंबुलेंस से दिल्ली भेजा गया। डॉक्टर उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रहे हैं।**

**रांची:** झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) के सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की तबीयत अचानक खराब हो गई है। तबीयत बिगड़ने के बाद शिबू सोरेन को विशेष विमान से दिल्ली ले जाया जा रहा है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पिता वरिष्ठ नेता शिबू सोरेन के साथ दिल्ली जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, उन्हें एक विशेष विमान के जरिए राजधानी ले जाया गया है। फिलहाल उनकी वापसी की तारीख तय नहीं हुई है, लेकिन स्वास्थ्य जांच की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वे लौटेंगे।

**सांस लेने में तकलीफ के बाद अस्पताल में भर्ती हुए शिबू सोरेन** मिली जानकारी के मुताबिक, जेएमएम सुप्रीमो शिबू सोरेन को सोमवार की दोपहर सांस लेने में तकलीफ की शिकायत हुई। इसके बाद उन्हें आनन-फानन में रांची के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां डॉक्टरों ने शिबू सोरेन की जांच की और बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाने की सलाह सीएम हेमंत सोरेन को दी। इसके बाद शिबू सोरेन के इलाज के लिए एयर एंबुलेंस के जरिए दिल्ली भेजा गया है। फिलहाल, डॉक्टरों की एक टीम भी उनके साथ है, जो उनके स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए है।

**2023 में भी शिबू सोरेन के तबीयत अचानक बिगड़ गई थी** गौरतलब है कि इससे पहले, साल 2023 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से आयोजित रात्रि भोज में शामिल होने के लिए हेमंत सोरेन अपने पिता शिबू सोरेन के साथ दिल्ली गए थे। इसी दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी, जिसके बाद उन्हें तुरंत सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

## वी ब्लू रिब्बन बैग्स के साथ साझेदारी कर बैगेज प्रोटेक्शन की सुविधा देगा

रांचीः अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने अपने सभी पोस्टपेड इंटरनेशनल रोमिंग पैक्स में बैगेज प्रोटेक्शन सर्विसेज़ शामिल कर अपनी इंटरनेशनल रोमिंग पेशकश को और बेहतर बना लिया है। यूएस आधारित प्रमुख लॉस्ट बैगेज कंसीयज सर्विस ब्लू रिब्बन बैग्स के साथ साझेदारी के माध्यम से वी के पोस्टपेट उपभोक्ता प्रति बैग पर रु 19800 का मुआवज़ा पा सकते हैं, अगर शिकायत दर्ज करने के 96 घण्टे बाद भी उन्हें लगेज उन्हें नहीं मिलता है या खो जाता है। बहुत से यात्रियों के लिए बैगेज खो जाना या देर से मिलना, तनावपूर्ण अनुभव होता है, ऐसे में उनकी यात्रा का पूरा मज़ा खराब हो जाता है। 2024 की सीआईटीए रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में 36 मिलियन से अधिक बैग्स सही तरीके से हैंडल नहीं किए गए, जो बैगेज की सुरक्षा के बारे में बढ़ती चिंता को दर्शाता है। महामारी के बाद विदेश जाने वाले भारतीय यात्रियों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है, ऐसे में बैगेज के लिए अतिरिक्त सुरक्षा सुनिश्चित करना ज़रूरी हो गया है। वी के द्वारा पेश की गई बैगेज प्रोटेक्शन सर्विस बैगेज मिलने में देरी या बैगेज खो जाने के मामले में उपभोक्ता को सुरक्षा प्रदान करती है, और उनकी यात्रा के अनुभव को चिंतामुक्त बना देती है। वी के पोस्टपेड उपभोक्ता कोई भी इंटरनेशनल रोमिंग पैक खरीदते समय बैगेज प्रोटेक्शन सर्विस को एक्टिवेट कर सकते हैं। यह फायदा ऑप्शनल है और मात्र रु 99 की अतिरिक्त लागत पर इसे पैक के साथ एक्टिवेट किया जा सकता है। अगर बैगेज खो जाए या बैगेज मिलने में देरी हो तो वी ऐप के ज़रिए क्लेम रिक्वेस्ट कर सकते हैं। इस सर्विस का लाभ उठाने के लिए उन्हें उड़ान से पहले ब्लू रिब्बन बैग्स के साथ रजिस्टर करना होगा। अगर एयरलाईन की ओर से बैगेज मिलने में देरी होती है या बैगेज खो जाता है, तो वे लैंडिंग के 24 घण्टे के भीतर एयरलाईन और ब्लू रिब्बन बैग्स दोनों को रिपोर्ट कर सकते हैं।

## इंडियन ओवरसीज बैंक ने 89वीं स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए

रांचीः इंडियन ओवरसीज बैंक ने अपनी 89वीं स्थापना दिवस पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। सोमवार को जीईएल चर्च में बैंक की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चर्च के पदाधिकरी और बैंक के सीआरएम मनीष कुमार ने कार्यक्रम में भाग लिया और चर्च परिसर में "हूंडी" का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बैंक ने झारखंड राज्य के विभिन्न स्थानों पर मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया। ये स्वास्थ्य शिविर समाज के कल्याण को बढ़ावा देने और राज्य के लोगों के लिए एक स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किए गए थे। एक रक्तदान शिविर के साथ-साथ एक मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर क्लब रोड शाखा में आयोजित किया गया, जिससे स्थानीय समुदाय को महत्वपूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं। सीआरएम मनीष कुमार ने ग्राहकों से मुलाकात की और उनके निरंतर समर्थन के लिए अपना दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने ग्राहकों को इंडियन ओवरसीज बैंक की सफलता यात्रा का अभिन्न हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद दिया और बैंक की वृद्धि में उनके योगदान के महत्व पर बल दिया। मुख्य प्रबंधक ब्रजेश कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक कुमुद रंजन, शाखा प्रमुख प्रीति मैडम, सभी आरओ और शाखा कर्मचारियों और गोस्नर कॉलेज के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

## गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा में कथावचन 21 फरवरी को, सजेगा विशेष दीवान

रांचीः सिख कौम के महान विद्वान एवं विश्व विख्यात कथावाचक ज्ञानी पिंदरपाल सिंह जी( लुधियाना वाले ) का फरवरी माह में झारखंड आगमन हो रहा है और इस मौके पर गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा द्वारा कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा साहिब में 21 फरवरी,शुक्रवार को भव्य विशेष दीवान सजाया जा रहा है.सत्संग सभा के सचिव अर्जुन देव मिढ़ा ने बताया कि यह पूरे झारखंड वासियों के लिए सौभाग्य की बात है और इसे देखते हुए गुरु नानक सत्संग सभा द्वारा 21 फरवरी,शुक्रवार को रात 8:00 बजे से 11:00 बजे तक विशेष दीवान सजाया जाएगा, जिसमें सिख पंथ की महान हस्ती एवं विद्वान कथावाचक ज्ञानी पिंदरपाल सिंह जी, लुधियाना वाले कथावाचन कर झारखंड की साध संगत को निहाल करेंगे.साथ ही जानकारी दी की उसी दिन सत्संग सभा के सदस्य उन्हें एयरपोर्ट से रिसीव कर मेट्रो गली स्थित डॉ अजय छाबड़ा के क्लीनिक के पास शाम छह बजे पहुंचेंगे और वहां से गुरु नानक सत्संग सभा की कीर्तन मंडली द्वारा शबद कीर्तन कर उन्हें गुरुद्वारा साहब तक ले जाया जाएगा. इस अवसर पर सत्संग सभा द्वारा सजाए जा रहे विशेष दीवान में ज्ञानी पिंदरपाल सिंह जी रात 9:30 बजे से 11:00 बजे तक कथा वाचन कर झारखंड की साध संगत को निहाल करेंगे. इस मौके पर गुरु का अटूट लंगर भी चलाया जाएगा.आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और सदस्यों के बीच जिम्मेवारियों का बंटवारा भी कर दिया गया है.

सत्संग सभा के मुख्य सेवक मनीष मिढ़ा ने बताया कि ज्ञानी पिंदरपाल सिंह जी द्वारा की जाने वाली कथा को सुनने के लिए झारखंड की सिख संगत को बेसब्री से इंतजार था और यह रांची की सिख संगत के लिए एक सपने के पूरा होने जैसा है. साथी जानकारी दी कि यहां से ज्ञानी पिंदरपाल सिंह जी जमशेदपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

# झारखंड योग की 34 सदस्यीय दल केरल रवाना

रांचीः केरल में आगामी 13 से 16 फरवरी तक आयोजित 49वी राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए 34 सदस्यीय दल सोमवार को धनबाद एलेप्पी एक्सप्रेस से केरल के लिए रवाना हुई। झारखंड टीम के साथ प्रशिक्षक के रूप में जमशेदपुर के सपन कुमार साह एवं रांची के राहुल पोद्दार तथा टीम के मैनेजर अमरेंद्र कुमार विकल भी केरल रवाना हुए। सभी खिलाड़ियों को संघ के संजय कुमार झा, पंकज प्रसाद, रजनी बक्शी ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामना देते हुए केरल के लिए रवाना किया। झारखंड योग टीम के महिला वर्ग में नंदनी कुमारी, पलक जायसवाल, निशा रजवार, नीलांजना, रिंकी महतो, सरिता कुमारी, सुरभी सिंह, सीमा कुमारी, सृष्टि जैन, आरती देवी, चित्रा साहा, सोनाली मंडल, दीप्ति महतो, रेणु कुमारी, राखी सिन्हा शामिल है। वहीं पुरुष वर्ग में मोहित कुमार, रोहित कुमार पंडित, अभिषेक राम, आशीष रंजन, विशाल कुमार सोनी, निशांत कुमार, विनीत सिंह, विक्रम कुमार, शत्रुंजय कुमार, विनय पंडित, अभिषेक कुमार सिंह, डॉक्टर अभिषेक महेश्वरी, रविंद्र कुमार सुमन, चंदन कुमार

सिंह, अजीत कुमार, देवीलाल महतो टीम में शामिल है।

# कलाकारों ने याद किये अपने पहले ऑडिशन के अनुभव

**रांचीः** किसी भी कलाकार के लिये उसका पहला ऑडिशन एक यादगार लम्हा होता है, अभिनय की दुनिया में रखा गया यह पहला कदम हमेशा के लिए दिलो-दिमाग में बस जाता है। एण्डटीवी के कलाकारों ने अपने पहले ऑडिशन के यादगार अनुभव के बारे में बताया। एण्डटीवी के 'भीमा' स्मिता सेबल ने कहा, ''मुझे आज भी याद है कि मेरा पहला ऑडिशन एक मराठी सीरियल के लिये था और लगता है मानो वह कल की ही बात है। ऐक्टिंग की दुनिया में कदम रखने से पहले मैं एक केबिन क्रू थी और उस दौरान मुझे अलग-अलग जगहों की यात्रा करने और नये लोगों से मिलने का मौका मिला। हप्पू की उलटन पलटन' की गीतांजलि मिश्रा ने बताया, ''मैं हमेशा कहती हूं कि मैं एक 'एक्सीडेंटल

एक्टर' हूं, और ये बिल्कुल सच है! मेरा पहला ऑडिशन ही मेरा पहला शूट भी था, और ये इतनी अनोखी स्थिति में हुआ कि मैं खुद हैरान रह गई। तभी मुझे अहसास हुआ कि मैंने वाकई एक अच्छा सीन कर लिया था! शुभांगी अत्रे, जोकि 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाबी ने कहा, ''मेरा सफर एक फोटो एड से शुरू हुआ, जब मुझे एक रीजनल शैम्पू कमर्शियल के लिए चुना गया था। वो कॉल मेरे लिए पूरी तरह अनापेक्षित थी, लेकिन ऐसा लगा जैसे एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने के लिए एक छोटा सा दरवाजा खुल गया हो।

# मेगा ट्रेड फेयर में कई उत्पादों पर मिल रही भारी छूट

**रांचीः** मोहराबादी मैदान में सात फरवरी से चल रहे 16वें इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर में सोमवार को भी हजारों की संख्या में लोग अपने परिवार और दोस्तों संग पहुंचे और खरीदारी की। झारखण्ड चैंबर और जीएस मार्केटिंग एसोसियेट्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ट्रेड फेयर में सबसे अधिक भीड़ लाइफस्टाइल और इंटरनेशनल वाले हैंगर में दिख रही है। खासतौर पर महिलाओं की भीड़ कपड़ों, आर्टिफिशियल ज्वेलरी वाले स्टॉल पर अधिक उमड़ रही है। फेयर में कई स्टॉलधारक छूट दे रहे हैं। फर्नीचर वाले हैंगर में दिल्ली की कंपनी वूडलैंडर फर्नीचर में 80 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। यहां सोफा और डाइनिंग टेबल सेट उपलब्ध है। सोफा की शुरुआती कीमत 55 हजार रूपये और डाइनिंग टेबल सेट 60 हजार से दो लाख रूपये तक में मिल रहा है। इन सभी फर्नीचरों पर पांच से 10 साल की वारंटी भी दी जा रही है। साथ ही ब्रांडेड सोफा कम बेड फैक्ट्री प्राइस पर उपलब्ध है। फेयर में पीतल से बने रसोई घर में प्रयोग होने वाली सामाग्री भी मिल रहा है। इसके अलावा यूपी के कन्नौज का इत्र भी बिक रहा है। यहां 200 से लेकर पांच हजार रूपये तक में उपलब्ध है। वहीं थाइलैंड का ड्रेस भी लोगों को लुभा रहा है। एक हजार रूपये में एक से बढकर डिजाइनर कपड़े लोगों को आकर्षित कर रहा है।

चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी और

महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने संयुक्त रूप से बताया कि ट्रेड फेयर में सोमवार को भी अच्छी खासी भीड़ रही। शाम चार बजे के बाद फेयर में लोगों का आना प्रारंभ हो गया। जबकि दिन में स्कूल और कॉलेज के छात्रों की संख्या भी दिखी। ट्रेड फेयर को रांची की जनता का प्यार मिल रहा है। स्टॉलधारक भी खरीदारी से खुश नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि रांची का बाजार बहुत ही अच्छा है। जब भी रांची में स्टॉल लगाते हैं, तो अच्छी बिक्री होती है।

प्रोजेक्ट चेयरमेन अमित शर्मा और शैलेश अग्रवाल ने बताया कि ट्रेड फेयर में मंगलवार से आधार का स्टॉल लगाया जा रहा है। यहां आधार में नाम जोड़ने और अपडेट आदि का काम होगा। फेयर में कई नये स्टॉल लगने की उम्मीद है। वहीं, बच्चों के मनोरंजन के लिए किड्स जोन भी है। जहां बच्चे झुले, टॉय ट्रेन, मिक्की माउस आदि का आनंद ले सकते हैं।

**स्टार्टअप जागरूकता पर कार्यक्रम आयोजित** सोमवार को झारखंड चैंबर के स्टार्टअप उप समिति की ओर से झारखंड में स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप जागरूकता पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्टार्टअप उप समिति के चेयरमैन मनीष पियूष, अमित अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य मुकेश अग्रवाल, आनंद जालान, आदित्य कुमार, सौरभ कुमार एवं रवि सिंह ने झारखंड में स्टार्टअप को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि स्टार्टअप पर जागरूकता होना जरूरी है। स्टार्टअप के सक्सेस स्टोरी बनाने की जिम्मेवारी सरकार और झारखंड चैंबर ने ली है। झारखंड चैंबर इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इनक्यूबेशन सेंटर बनाने की योजना है। राज्य सरकार की एबीवीआईएल. झारखंड. जीओवी पोर्टल के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कई छात्रों ने सवाल पुछे, जिसका जवाब विशेषज्ञों ने दिया और कई सुझाव भी दिये। इस कार्यक्रम के स्पॉन्सर प्यूरेश डेयरी थे, जो झारखंड के सभी उभरते स्टार्टअप की मदद करना चाहते हैं।

**एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने ट्रेड फेयर का किया दौरा**

वहीं, सोमवार को एसडीओ, रांची उत्कर्ष कुमार ने ट्रेड फेयर का दौरा किया। उनका स्वागत चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी, उप सचिव नवजोत अलंग, विकास विजयवर्गीय, प्रोजेक्ट चेयरमैन अमित शर्मा, रोहित पोद्दार समेत अन्य लोगों ने किया। उन्होंने ट्रेड फेयर के आयोजन की तारीफ की। मंगलवार को शैल्बी डिवाइन सुपर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की ओर से सर्वाइकल कैंसर और जॉय ऑफ लाइफ पर जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया है। इस सेमिनार में एक्सपर्ट डॉक्टरों द्वारा जानकारी प्रदान की जायेगी। सेमिनार शाम पांच बजे से प्रारंभ होगा। उक्त जानकारी प्रवक्ता सुनिल सरावगी ने दी।

# 23 अप्रैल को रांची में होगा वैश्य अधिकार महासम्मेलन

**रांचीः** झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के तत्वावधान सोमवार को रेडियम रोड़ स्थित होटल आलोका सभागार में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया. प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा - कल खूंटी में केंद्रीय समिति की बैठक आयोजित की गयी थी. बैठक में निर्णय लिया गया है कि झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा अपने मुद्दों एवं समाज के मान-सम्मान, सुरक्षा और अधिकार के लिए एक बार फिर से क्रमवार आंदोलन प्रारंभ करेगी. साहु ने कहा कि ओबीसी को 27% आरक्षण, वैश्य आयोग का गठन, जाति आधारित जनगणना, छोटे दुकानदारों की 10 लाख रुपये तक की ऋण माफी, राज्य के बोर्ड-निगम में हिस्सेदारी, ओबीसी के लिए हो रहे ट्रिपल टेस्ट में अनियमितता, समाज पर हो रहे हमलों, लूट, हत्या के मामले पर आवाज बुलंद किया जायेगा. आगामी विधानसभा सत्र के पहले इन मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित सभी मंत्रियों एवं विधायकों को ज्ञापन देकर अपनी मांगों से अवगत कराया जायेगा. जरूरत पड़ी तो विधानसभा सत्र के दरम्यान धरना-प्रदर्शन का भी आयोजन किया जायेगा. साहु ने कहा कि राज्य में वैश्य समाज की आबादी 40% के करीब है. ओबीसी वोट के बदौलत ही राज्य में दुबारा सरकार बन पाई है. लेकिन हर तरह से वैश्यों को दरकिनार करने का प्रयास किया जा रहा है. इस हालत में वैश्य मोर्चा चुप नहीं रह सकती है. साहु ने कहा कि वैश्य मोर्चा अपने अभियान और कार्यक्रमों के जरिए क्रमवार आगे बढ़ेगी और सरकार पर अपनी मांगों को लेकर दबाव बनायेगी. महेश्वर साहु ने कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 23 फरवरी को पतरातू डैम में कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर सह मिलन समारोह का आयोजन किया जायेगा, जबकि 23 मार्च को रांची

में शहीद भगत सिंह के शहादत दिवस पर छात्र-युवा सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा. 23 अप्रैल को वैश्य दिवस के अवसर पर रांची में वैश्य अधिकार महासम्मेलन का आयोजन किया जायेगा. इस महासम्मेलन में देश स्तर के वैश्यों नेताओं एवं बुद्धिजीवियों को बतौर अतिथि आमंत्रित किया जायेगा.

साहु ने जानकारी देते हुए बताया कि संगठन विस्तार के तहत हीनू निवासी विजय कुमार को केंद्रीय समिति का सदस्य बनाया गया है, जबकि न्यू मार्केट निवासी मनोज कुमार को रांची महा नगर का महासचिव बनाया गया है.

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्यकारी अध्यक्ष मोहन साव, केंद्रीय उपाध्यक्ष परशुराम प्रसाद, प्रधान महासचिव इंदुभूषण गुप्ता, उप-प्रधान महासचिव अशोक गुप्ता, केंद्रीय महासचिव दिलीप प्रसाद, रामाशंकर राजन, संगठन महासचिव अनिल वैश्य, महिला मोर्चा अध्यक्ष रेणू देवी, राजन चौधरी आदि भी उपस्थित थे.

# माध्यमिक व इंटरमीडिएट परीक्षा के सभी केन्द्रों के 100 मीटर परिक्षेत्र में निषेधाज्ञा जारी

धनबाद। रात्रि 12 बजे से परीक्षा के प्रत्येक तिथि को परीक्षा समाप्ति तक धारा-163 भा.ना.सु.सं. के तहत निषेधाज्ञा जारी* वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) सैद्धांतिक परीक्षा-2025, दिनांक 11 फरवरी, 2025 से आरम्भ हो रही है। वार्षिक माध्यमिक सैद्धांतिक परीक्षा - 2025, दिनांक - 11.02.2025 से 03.03.2025 तक प्रथम पाली में (09.45 बजे पूर्वाहन से 01.00 बजे अपराह्न तक) एवं इंटरमीडिएट की सैद्धांतिक परीक्षा दिनांक - 11.02.2025 से दिनांक-03.03.2025 तक द्वितीय पाली में (02.00 बजे अपराह्न से 05.15 बजे अपराहन तक) संचालित की जाएगी।

धनबाद जिलान्तर्गत वार्षिक माध्यमिक सैद्धांतिक परीक्षा कुल - 104 परीक्षा केन्द्र एवं इंटरमीडिएट (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) सैद्धांतिक परीक्षा कुल 89 परीक्षा केन्द्र में की जाएगी। कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संपन्न कराने के लिए अनुमंडल दंडाधिकारी राजेश कुमार ने दिनांक - 10.02.2025 की रात्रि 12 बजे से परीक्षा के प्रत्येक तिथि को परीक्षा समाप्ति तक सभी परीक्षा केन्द्रों के 100 मीटर परिक्षेत्र में धारा-163 भा.ना.सु.सं. के तहत निषेधाज्ञा जारी की है। निषेधित क्षेत्र में अनावश्यक भीड़ लगाना, अवैध रूप से मटरगश्ती करना, ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग एवं अनाधिकृत रूप से हथियार लेकर चलने तथा कदाचार से संबंधित किसी भी प्रकार की गतिविधि एवं वस्तु का उपयोग करने, परीक्षा से संबंधित कोई भी कागज-पत्र या अन्य सामग्री वितरित करने या उसकी गोपनीयता पर प्रतिकुल प्रभाव डालने का प्रयास करना आदि को प्रतिबंधित किया गया है।

उपरोक्त आदेश दिनांक - 10.02.2025 की रात्रि 12 बजे से परीक्षा के प्रत्येक तिथि को परीक्षा समाप्ति तक के लिए लागू रहेगा।

## श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट का होली मिलन 10 मार्च को

रांचीः श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट कार्यकारिणी सदस्यों की एक बैठक ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल की अध्यक्षता मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम, पुंदाग मे संपन्न हुई। बैठक मे ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री राधा कृष्ण मंदिर एवं अपना घर आश्रम मे किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई तथा भावी कार्यो एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा तय किया गया। बैठक मे निर्णय लिया गया कि 10 मार्च को श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम मे होली मिलन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। होली मिलन महोत्सव मे परमहंस डॉ. संत शिरोमणि स्वामी सदानंद जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहकर सबों को आशीर्वाद देंगे। बैठक में निर्णय लिया गया कि श्री राधा कृष्ण मंदिर के परिसर मे प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को श्री प्रणामी सत्संग भजन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें नगर के प्रमुख धार्मिक संस्थाओं के भजन मंडलियों को आमंत्रित किया जाएगा। तथा सेवा-धाम मे प्रत्येक रविवार को अन्नपूर्णा सेवा निरंतर जारी रहेगा। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम मे प्रतिदिन पहुंच रहे हजारों की संख्या में श्रद्धालु को सुचारू रूप से समुचित व्यवस्था देने, तथा अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने एवं ट्रस्ट का सदस्य बनाने के संबंध में भी पूरी विस्तृत चर्चा की गई। उक्त जानकारी देते हुए ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि बैठक में-ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ, चिरंजी लाल खंडेलवाल, संजय सर्राफ, सुरेश अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, सुरेश भगत,विष्णु सोनी, मनीष सोनी, ज्ञानचंद शर्मा, मधुसूदन, विद्या देवी अग्रवाल सहित अन्य कई सदस्य उपस्थित थे।

## राष्ट्रपति के रांची दौरे के दौरान रहेगी चाक चौबंद व्यवस्था

**रांचीः** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय दौरे पर 14 फरवरी को रांची आ रही हैं। वह 15 फरवरी को वापस दिल्ली लौट जाएंगी। इस दौरान वह बीआइटी मेसरा के प्लैटिनम जुबली कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी। उनके रांची आगमन पर तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी की अध्यक्षता में समीक्षा की गयी। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रोटोकॉल के अनुसार राष्ट्रपति के दौरा के दौरान पूरी व्यवस्था चाक चौबंद रखें। जहां जरूरी हो, विभाग एक दूसरे से समन्वय बना कर तैयारियों को पुख्ता करें।

समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने आबाध विद्युत आपूर्ति का निर्देश दिया। वहीं एयरपोर्ट के निदेशक को हवाईअड्डा पर वीआईपी लाउंज को व्यवस्थित रखने को कहा। इस दौरान राष्ट्रपति के मिनट टू मिनट कार्यक्रम के अनुसार अलग- अलग व्यवस्था के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों की तैयारियों का भी जायजा लिया गया। राष्ट्रपति के आगमन के दौरान स्वागत के लिए बुके की व्यवस्था, राष्ट्रीय गान, कारकेड, सुरक्षा व्यवस्था, भोजन और आवासन की व्यवस्था, विद्युत और ध्वनि विस्तारक की व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल और आवासन स्थल पर मेडिकल व्यवस्था, अग्निशमन व्यवस्था, आवागमन मार्ग को दुरुस्त करना सहित कई अन्य जरूरी व्यवस्था की तैयारियों की समीक्षा की गयी।

## "परीक्षा पे चर्चा 2025" में खूंटी जिले के सूरज मुंडा हुए शामिल

रांचीः झारखंड के खूंटी जिले के सूरज मुंडा को 'परीक्षा पे चर्चा 2025' में शामिल होने का गौरव प्राप्त हुआ है। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित किया जाता है, जिसमें छात्रों से परीक्षा संबंधी तनाव प्रबंधन पर चर्चा की जाती है।

सूरज एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, सालगाडीह, तमाड़ के छात्र हैं, जो कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित होता है। सूरज खूँटी जिला के अड़की प्रखंड के खेसारीबेरा गाँव के रहने वाले हैं।

कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने इसे झारखंड सरकार की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नीति और अनुसूचित वर्गों के उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम बताया।

## आपात स्थिति में बटन दबाते हीं दिलायी जाएगी त्वरित मदद

रांचीः अगर आप राजधानी रांची में रहते हैं तो आपको यह जानकर बेहद खुशी होगी कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन ने राजधानी वासियों की सुरक्षा को लेकर कई इंतजाम किए हैं। एक तरफ जहां कमांड कंट्रोल एंड कम्यूनिकेशन सेंटर की मदद से पूरे शहर में स्वचालित यातायात प्रबंधन किया जा रहा है तो दूसरी ओर अपराध नियंत्रण और उसके उद्भेदन में भी कमांड सेंटर से मदद ली जा रही है। अब अगर आप किसी आपात स्थिति का सामना कर रहे हैं जैसे कि आप सड़क से गुजर रहें और आपके साथ या आपके सामने किसी के साथ कोई दुर्घटना हो जाती है तो आप सीधे सरकार की एजेंसियों से जुड़ सकते हैं । इसके लिए रांची शहर के महत्वपूर्ण 50 चौक चौराहों पर पीले रंग का इमरजेंसी कॉल बॉक्स लगाया गया है। इस बॉक्स में लगे लाल बटन के दबाते ही कमांड कंट्रोल सेंटर से आवाज आएगी, ताकि आप अपनी समस्या बता सकें। समस्या बताते ही स्मार्ट सिटी और पुलिस की टीम आपकी मदद के लिए संबंधित एजेंसी से संपर्क कर आपको राहत दिलाएगी। इसके लिए ना आपको मोबाईल फोन की जरुरत है ना ही किसी नंबर को याद रखने की जरुरत। बस आपके आसपास पीले रंग का बॉक्स होना चाहिए।

किस-किस प्रकार की मदद दिलायी जा सकती है

सड़क दुर्घटना, चेन स्नेचिंग, गोलीबारी, मारपीट, छेड़खानी या कोई अन्य आपराधिक वारदात होती है तो तुरंत मदद के लिए इस बॉक्स का उपयोग किया जा सकता है। यह जरुरी नहीं है कि पीड़ित ही फोन करे। प्रत्यक्षदर्शी भी मदद पहुंचाने के लिए कॉल कर सूचना दे सकता है। यदि आसपास के इलाके में आग लग जाए तो भी या तो पीड़ित या आसपास के लोग फायरब्रिगेड से संपर्क साधने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

एंबुलेंस तथा नगरीय सेवा प्रदान करने के लिए

अगर सड़क पर कोई दुर्घटना होती है तो एंबुलेंस सेवा के लिए भी इस बॉक्स का इस्तेमाल हो सकता है।

## परीक्षा केन्द्रों के 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा जारी की गई है

**रांची।** झारखण्ड अधिविद्य परिषद्, राँची द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक परीक्षा-2025 दिनांक 11.02.2025 से दिनांक-03.03.2025 तक पूर्वाह्न 09:45 बजे से अपराह्न 01:05 बजे तक विभिन्न 86 परीक्षा केन्द्रों पर होना है। इन परीक्षा केन्द्रों पर कदाचारमुक्त वातावरण में परीक्षा का आयोजन कराने एवं विधि-व्यवस्था संधारण हेतु उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, राँची एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची द्वारा पुलिस बल एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। परीक्षा में संलग्न छात्र एवं उनके अभिभावक द्वारा परीक्षा केन्द्र पर भीड़ लगाकर विधि-व्यवस्था भंग करने की चेष्टा कर सकते हैं, इस आशंका के मद्देनजर अनुमंडल दंडाधिकारी, सदर, राँची द्वारा बी०एन०एस०एस० की धारा-163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए परीक्षा केन्द्रों के 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा जारी की गई है, जो निम्न है :-

1- पाँच या पाँच से अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा होना (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों / कर्मचारियों तथा सरकारी कार्यक्रम एवं शवयात्रा को छोड़कर)।

2- किसी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र का व्यवहार करना।

3- परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर की परिधि में साइबर कैफे, फोटोकॉपी एवं प्रिंटिंग की दुकानें परीक्षा के दिनों में बंद रखना सुनिश्चित करना।

3- किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र, जैसे-बंदुक, राईफल, रिवाल्वर, बम, बारूद आदि लेकर चलना (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों/कर्मचारियों को छोड़कर)।

4- किसी प्रकार का हरवे हथियार जैसे-लाठी-डंडा, तीर-धनुष, गड़ासा-भाला आदि लेकर चलना (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों/कर्मचारियों को छोड़कर)

5- किसी प्रकार की बैठक या आमसभा का आयोजन करना।

यह निषेधाज्ञा दिनांक 11.02.2025, 13.02.2025, 14.02.2025, 15.02.2025, 17.02.2025, 18.02.2025, 19.02.2025 20.02.2025, 21.02.2025, 22.02.2025, 24.02.2025, 25.02.2025, 27.02.2025, 28.02.2025 01.03.2025 एवं 03.03.2025 के प्रातः 06:45 बजे से अपराह्न 08:20 बजे तक प्रभावी रहेगा।

## पलाश JSLPS रांची द्वारा नगड़ी प्रखंड के सभागार मे एक दिवसीय IFC उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया

**रांची।** नगड़ी प्रखंड के सभागार मे एक दिवसीय IFC उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला की शुरुआत प्रखंड विकास पदाधिकारी नगड़ी, दीपाली भगत, जिला परिषद सदस्य पूनम देवी , प्रखंड प्रमुख मधुवा कच्छप, विधायक प्रतिनिधि खिजरी विधान सभा संजय सरेया, सांसद प्रतिनिधि (रांची लोक सभा क्षेत्र), केदार महतो, पंचायत समिति सदस्य दुर्गी तिर्की , मनरेगा BPO श्रीमती अनुजा कुमारी एवं पलाश JSLPS BPM श्री सुखदेव लोहरा के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कार्यशाला का संचालन प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, सुखदेव लोहरा के द्वारा किया गया। जिसमें उनके द्वारा बताया गया की नगड़ी प्रखंड मे कुल तीन समेकित किसान संकुल का गठन किया गया है। समेकित किसान संकुल के तहत चयनित किसान को चार से पांच आजीविका गतिविधि से जोड़ा जायेगा। सभी किसान की आय 1.5 लाख से 2 लाख कराना है। परियोजना 36 माह तक चलेगा। इसमें किसानों को समेकित कृषि सेक्टर के सफल मॉडल को अपनाया जायेगा।

कार्यक्रम मे कृषि पदाधिकारी, दिनेश कुमार, पशुपालन विभाग से मिथेलेश कुमार, पलाश JSLPS,Palash से BPO EP सुश्री सुलोचना तिर्की, एफ टी सी, CC नगड़ी और नारों संकुल संघ की सदस्य दीदी तथा आजीविका सखी मंडल से जुड़ी दीदी उपस्थित हुए।

## नुक्कड नाटक एवं एलईडी वैन के माध्यम से अफीम की खेती के विरुद्ध जन जागरूकता अभियान

**रांची।** जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री के निदेशानुसार जिला के विभिन्न स्थानों में लगातार नुक्कड नाटक एवं एलईडी वैन के माध्यम से अफीम की खेती के विरुद्ध जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

नामकुम थाना अंतर्गत बूटियो गांव में जिला जनसंपर्क कार्यालय, रांची से संबद्ध कला दलों द्वारा नाटक का मंचन कर लोगों को नशा एवं अफीम की खेती के दुष्परिणाम के बारे में जानकारी दी गयी। ग्रामीणों को बताया गया कि कहीं भी मादक पदार्थ अथवा अफीम की खेती की जानकारी मिले तो टोल फ्री नंबर 112 पर इसकी सूचना दें, जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखते हुए शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जायेगी।

## उपायुक्त ने किया दवा खाकर फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का शुभारंभ

**धनबाद।** उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने सोमवार को सदर अस्पताल में फाइलेरिया उन्मूलन के लिए शुरू हुए मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन का शुभारंभ स्वयं डीईसी एवं एल्बेंडाजोल की गोली खाकर किया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि 11 से 25 फरवरी तक दवा प्रशासक द्वारा घर-घर जाकर लोगों को अपने सामने डीईसी एवं एल्बेंडाजोल की खुराक खिलाई जाएगी। उन्होंने धनबाद को फाइलेरिया मुक्त बनाने के लिए जिले वासियों से दवा प्रशासक को सहयोग करने और जरूर दवा लेने की अपील की। साथ ही कहा कि मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के दौरान वर्ष में एक बार डीईसी एवं एल्बेंडाजोल दवा का खुराक लेने से इस लाईलाज रोग पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि 1 से 2 साल तक के बच्चे को एल्बेंडाजोल की आधी गोली (200 एमजी) पानी में घोलकर। 2 से 5 वर्ष तक को डीईसी की एक गोली (100 एमजी), एल्बेंडाजोल की एक गोली (400 एमजी), 6 वर्ष से 14 वर्ष तक डीईसी की 2 गोली (200 एमजी), एल्बेंडाजोल की एक गोली, 15 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को डीईसी की तीन गोली 300 (एमजी) एवं एल्बेंडाजोल की एक गोली दवा प्रशासक द्वारा अपने सामने खिलाई जाएगी। जबकि एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं अत्यंत वृद्ध एवं गंभीर बीमार व्यक्तियों को दवा की खुराक नहीं दी जाएगी। किसी को भी यह दवा खाली पेट सेवन नहीं करनी है।

## झारखंड को मिले 28 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव

**रांचीः** राज्य में निवेश को लेकर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का प्रयास रंग पकड़ने लगा है। पिछले सप्ताह कोलकाता में संपन्न इंवेस्टर मीट में मुख्यमंत्री और उद्योगपतियों के साथ बैठक के बाद झारखंड को 28 हजार 306 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। निवेशक झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उत्पादन इकाई लगाने के लिए इच्छुक हैं। इनमें से कुछ के प्रस्ताव स्वीकृत भी किये जा चुके हैं। इन प्रस्तावों से राज्य में परोक्ष और अपरोक्ष रूप से 17 हजार 823 लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्य सचिव अलका तिवारी ने उद्योग निदेशालय को राज्य में उद्योग लगाने के लिए उद्यमियों को बेहतर माहौल देने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि सिंगल विंडों सिस्टम को ज्यादा कारगर और पारदर्शी बना कर हम झारखंड में जहां नये उद्योगों को आकर्षित कर सकते हैं, वहीं पहले से चल रहे उद्योगों को नई उर्जा दे सकते हैं। उद्योग निदेशालय को अपनी क्षमता में वृद्धि करने और कमियों को दूर करने पर बल देते हुए उन्होंने राज्य के संसाधन आधारित उद्योगों पर फोकस करने का निर्देश दिया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि देश का 80 प्रतिशत तसर का उत्पादन करने वाला झारखंड आज भी ज्यादातर ककून बेच रहा है, जबकि राज्य में ही ककून का वैल्यू एडिशन कर तैयार माल का वितरण और विपणन किया जा सकता है। उन्होंने विजन के साथ इस क्षेत्र में आगे बढ़ने पर जोर दिया। वह सोमवार को उद्योग निदेशालय के साथ हाई पावर कमिटी की बैठक कर रही थीं।

उद्योग निदेशालय के साथ निवेश प्रस्तावों की समीक्षा करतीं मुख्य सचिव

ये करेंगे निवेश झारखंड में सबसे अधिक 8485 करोड़ रुपये का स्टील और पावर प्लांट सरायकेला के निमडीह में लगाने का प्रस्ताव एसएम स्टील एंड पावर लिमिटेड की ओर से मिला है। वहीं वोलटॉक्स रेल प्राइवेट लिमिटेड ने चाकुलिया में रेलगाड़ी का चक्का और वंदे भारत के डिब्बे बनाने के लिए 3967.84 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्ताव झारखंड सरकार को समर्पित किया है।

## राज्यपाल ने स्कूली बच्चों के साथ 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

रांचीः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय (जिला स्कूल), रांची के बच्चों एवं शिक्षकों के साथ प्रधानमंत्री जी के 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। इस अवसर पर राज्यपाल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 'परीक्षा पे चर्चा' विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायी पहल है। यह न केवल परीक्षा संबंधी तनाव कम करने का माध्यम है, बल्कि विद्यार्थियों को आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच से आगे बढ़ने की प्रेरणा भी प्रदान करता है।

राज्यपाल ने कहा कि परीक्षा केवल अंकों तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह धैर्य, समर्पण और आत्मविश्वास की परीक्षा भी होती है। 'परीक्षा पे चर्चा' यह सिखाता है कि तनाव से मुक्त होकर आत्मविश्वास के साथ एक स्पष्ट योजना बनाकर परीक्षाओं का सामना किया जाए।

राज्यपाल ने कहा कि जिला स्कूल का गौरवशाली इतिहास रहा है। पूर्व में धारणा थी कि जिला स्कूल में जिसका नामांकन होता था, वह समाज का बहुत मेधावी विद्यार्थी होते थे। हमारे विद्यार्थी एवं शिक्षक जिला स्कूल की उत्कृष्टता की दिशा में व्यापक रूप से कार्य करें। वे अन्य विद्यालयों के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करें। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि पढ़ाई को केवल परीक्षा तक सीमित न रखें, बल्कि ज्ञान को आत्मसात करें। नियमित अभ्यास करें, समय का सही प्रयोग करें एवं आत्मविश्वास बनाए रखें। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा इस बात पर बल देते हैं कि हमें परीक्षा को एक अवसर की तरह देखना चाहिए, न कि किसी दबाव की तरह। हार और जीत से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हम अपने प्रयासों में निरंतरता बनाए रखें, परिश्रम में कमी न करें। कठिनाइयाँ आएंगी, लेकिन जो विद्यार्थी हर चुनौती को सीखने का अवसर मानता है, वही जीवन में सफलता प्राप्त करता है। उक्त अवसर पर राज्यपाल ने सभी से संवाद कर सभी को प्रोत्साहित किया एवं सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा विकसित भारत@2047 में अपना सक्रिय योगदान देने हेतु कहा।

## पुलिस बल कानून-व्यवस्था का मजबूत आधार स्तंभः राज्यपाल

रांचीः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को मरांग गोमके जयपाल सिंह स्टेडियम, खेलगाँव, रांची में आयोजित '68वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट-2025' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केबल पुलिस बल की कार्यकुशलता को प्रदर्शित करता है, बल्कि आपसी सहयोग, नवीन तकनीकों के आदान-प्रदान और पुलिसकर्मियों के मनोबल को बढ़ाने का अवसर भी प्रदान करता है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि पुलिस बल किसी भी राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा, शांति एवं कानून-व्यवस्था का मजबूत आधार स्तंभ हैं। वे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जनहित एवं राज्यहित में समर्पित भाव से कार्य करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। समाज और राज्य की सुरक्षा हेतु अनेक पुलिसकर्मियों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। उन्होंने कहा कि पर्व-त्योहारों, चुनाव कार्यों, प्राकृतिक आपदाओं या उग्रवाद से निपटने की चुनौती, हर परिस्थिति में पुलिसकर्मी पूरी निष्ठा, साहस और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। उनका यह बलिदान, त्याग एवं सेवा की भावना सभी को प्रेरित करता रहेगा।

राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, मानव तस्करी और संगठित अपराध जैसी चुनौतियाँ बढ़ रही हैं। इनसे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पुलिस बल को अत्याधुनिक तकनीकों और विशिष्ट कौशल से सुसज्जित होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पूर्व में लागू किए गए नए आपराधिक कानून हमारे न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। इन कानूनों का उद्देश्य न्याय प्रक्रिया को अधिक सरल, सुलभ और पीड़ित केंद्रित बनाना है, जिससे अपराधियों को त्वरित सजा मिल सके और पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिले।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा 'स्मार्ट पुलिसिंग' की परिकल्पना की गई है, जिसमें पुलिस बल को अधिक संवेदनशील, आधुनिक, सतर्क, जवाबदेह और तकनीक-प्रेरित बनाने का आह्वान किया गया है। पुलिस सेवा केवल कानून व्यवस्था के संधारण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में शांति, महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण, ट्रैफिक प्रबंधन और आपदा प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भी इसका योगदान अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। राज्यपाल ने आशा प्रकट करते हुए कहा कि यह आयोजन पुलिस बल को आधुनिक अनुसंधान पद्धतियों को अपनाने हेतु प्रेरित करेगा और उनकी क्षमताओं को और अधिक सशक्त बनाएगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि पुलिस बल नवीनतम तकनीकी संसाधनों से लैस हों, ताकि वे अपराध नियंत्रण, साइबर अपराध, आतंकवाद और अन्य जटिल चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें। साथ ही, जनमानस और पुलिस के बीच विश्वास और समन्वय को और मजबूत करना भी प्राथमिकता होनी चाहिए।

## टाटा एआईजी का नया 'विथ यू लाइक फैमिली, विथ यू ऑलवेज़' कम्पैन शुरू

रांचीः जनरल इन्शुरन्स कंपनी टाटा एआईजी जनरल इन्शुरन्स कंपनी लिमिटेड ने अपना नया ब्रांड कैम्पेन शुरू किया है - 'विथ यू लाइक फैमिली, विथ यू ऑलवेज़', हर परिवार में एक दूसरे के प्रति प्यार और देखभाल की भावना होती है, अक्सर बिना कुछ बोले एक दूसरे का अटूट साथ देता है परिवार, बहुत अच्छे से खयाल रखता है। इस अनकहे लेकिन गहराई से महसूस किए जाने वाले प्यार को इस कैम्पेन में दर्शाया गया है। यह कैम्पेन जोर देता है कि चाहे कुछ भी हो जाए, आपकी ज़िन्दगी में हर कदम पर आपके प्रियजन हमेशा आपका साथ देंगे। इसी मुद्दे को ज़िन्दगी के अलग-अलग चरणों में दर्शाने के लिए 'पिता' और 'पुत्र' के रिश्ते का इस्तेमाल किया गया है, एक ऐसा रिश्ता जिसके बारे में बहुत कम बोला और कहा जाता है।

टीबीडब्ल्यूए द्वारा विकसित, कैम्पेन फिल्म में ज़िन्दगी के अलग-अलग चरणों में पिता और पुत्र के बीच के अलग-अलग किस्से दिखाए गए हैं। यह फिल्म दिखाती है कि कैसे समय के साथ देखभाल और जिम्मेदारी कैसे विकसित होती है। फिल्म की शुरूआत होती है, एक पिता अपने छोटे बेटे को सुरक्षापूर्ण आलिंगन दे रहे हैं, यह सीन दिखाता है कि पिता बिना कुछ बोले ज़िन्दगी भर के लिए बेटे को समर्थन देते रहेंगे। जैसे-जैसे बेटा बड़ा होता है, पिता उसके साथ खड़े रहते है - बेटे को शिक्षा में मार्गदर्शन करते है, और उसके करियर का समर्थन करते है। समय के साथ, भूमिकाएं बदल जाती हैं, और बेटा अपने बूढ़े पिता की भलाई का खयाल रखता है। फिल्म इस बात पर प्रकाश डालती है कि रिश्तों को परिभाषित करने वाले रोज़मर्रा के पलों में सच्ची सुरक्षा निहित होती है।

टाटा एआईजी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और विपणन प्रमुख शेखर सौरभ ने कहा, 'यह अभियान पिता और पुत्र के बीच के मज़बूत रिश्ते को उजागर करता है, यह ऐसा रिश्ता है जिसके बारे में बहुत कम बात की जाती है। टाटा एआईजी उनकी इस यात्रा में उनका समर्थन करता है, उन्हें ऐसे समाधान प्रदान करता है जो उन्हें अपने प्रियजनों की सर्वोत्तम संभव तरीके से देखभाल करने में मदद करते हैं।'

टीबीडब्ल्यूए के सीईओ गोविंद पांडे ने कहा, 'हमारे लिए बिना शर्त प्यार सबसे पहले परिवार से मिलता है और ज़िन्दगी की प्रतिकूलताओं के दौरान पहला समर्थन भी परिवार से ही मिलता है।टाटा एआईजी स्वास्थ्य बीमा ज़िन्दगी के सबसे अनिश्चित क्षणों में सुरक्षा, विश्वास और आश्वासन प्रदान करता है, जो एक परिवार द्वारा प्रदान की जाने वाली एकमात्र चीज है।'टेलीविजन, डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, इंटरनेट, ओटीटी और आउटडोर सहित कई मीडिया चैनलों पर शुरू किया जाएगा।

## अंचल कर्मचारी ने 20 साल पहले लिया

**लातेहार** : के चंदवा थाना क्षेत्र में एक पुराना भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है.20 साल पहले चंदवा थाना क्षेत्र के चकला गांव निवासी राजकुमार पांडेय से कर्मचारी सुशील ने 1.20 लाख रुपये की रिश्वत ली थी, उसे वापस करना पड़ा. कर्मचारी सुशील ने करीब 20 साल पहले पेपर में जमीन बंटवारा कर डिमांड अलग करने के नाम पर एक लाख बीस हजार रुपए लिया और जमीन का रसीद बनाकर दे दिया. साथ ही कहा कि इसे किसी को दिखाना नहीं है. पेपर को सुरक्षित रख देना है.राजकुमार पांडेय ने कर्मचारी के कहे अनुसार तीन-चार साल तक वैसा ही किया. चार साल बाद उन्हें पता चला कि कर्मचारी ने जो रसीद दिया है, वह गलत है. उन्हें तब यह पता चला जब उन्होंने सुरेश राम नाम के एक कर्मचारी से मिलकर अपना रसीद दिखाया.कर्मचारी सुरेश ने रसीद का मिलान पंजी टू से किया और पंजी में रसीद का कोई जिक्र नहीं मिलने की बात राजकुमार पांडेय को बताई.अपने साथ ठगी होने की जानकारी मिलने के बाद वह परेशान हो गए. क्योंकि उन्होंने जो पैसे दिए थे, वह गांव के ही एक व्यक्ति से उधार लेकर दिया था. रुपए वापस पाने के लिए उन्होंने कर्मचारी सुशील से संपर्क किया. कई वर्ष बाद कर्मचारी सुशील उसे दौड़ाता रहा. बाद में यह कह दिया कि उन्होंने कोई पैसा नहीं दिया.पिछले साल लातेहार थाना परिसर में पुलिस की जन शिकायत निवारण कैंप लगा था. राजकुमार पांडेय ने वहां पहुंच कर 20 साल बाद उनके साथ ही धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई. पर, सुनवाई नहीं हुई. लातेहार टाउन हॉल में दुबारा पुलिस का कैंप लगा था।

## रांची जिलान्तर्गत अवस्थित पंचायतों में उत्पन्न होने वाली समस्याओं से अवगत होने के निमित्त "टॉक टू डीसी'

**रांची।** जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा समाहरणालय ब्लॉक- ए स्थित कॉन्फ्रेंस कक्ष में रांची जिलान्तर्गत अवस्थित पंचायतों में उत्पन्न होने वाली समस्याओं से अवगत होने के निमित्त "टॉक टू डीसी' ऑनलाईन संवाद किये जाने हेतु पूर्वाभ्यास किया गया। पूर्वाभ्यास क्रम में सभी सम्बंधित पदाधिकारी/कर्मी/ऑपरेटर एवं रांची जिला के सभी प्रखंडों के कुल 305 पंचायत के पंचायत सचिवालय में बैठने वाले सभी प्रज्ञा केंद्र संचालक लिंक के माध्यम से कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए।

**जिला प्रशासन द्वारा शुरू की जाने वाला एक महत्वपूर्ण पहल**

Talk to DC जिला प्रशासन द्वारा शुरू की जाने वाला एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें ग्रामीण जनता को किसी भी प्रकार की समस्या के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है, वह अपने निकटतम पंचायत सचिवालय में जाकर बिल्कुल निः शुल्क रूप से अपनी समस्या दे सकते हैं।

उपायुक्त द्वारा सीधे तौर पर शिकायत सुना जाएगा जिसमें सम्बंधित विभाग के अधिकारी पदाधिकारी शामिल रहेंगे। ताकि उनके समस्या का तत्काल निष्पादन किया जा सकें। जिला प्रशासन से जनता अपनी समस्या सीधे तौर पर रख पाएंगे। जिसका त्वरित निष्पादन कराना प्रशासन की प्राथमिकता रहेगी। जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त, रांची श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने विशेष रूप से कहा की पारदर्शी प्रशासन के लिए जिला प्रशासन कटिबद्ध है। जिला प्रशासन जनता की समस्या को दूर करने के लिए लगातार प्रयासरत्त है।

## माननीया राष्ट्रपति भारत, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के 14-15 फरवरी 2025 को प्रस्तावित रांची परिभ्रमण कार्यक्रम की तैयारी की बैठक

**रांची।** जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा समाहरणालय ब्लॉक- ए स्थित कार्यालय कक्ष में माननीया राष्ट्रपति भारत, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के 14-15 फरवरी 2025 को प्रस्तावित रांची परिभ्रमण कार्यक्रम की तैयारी से संबंधित बैठक आयोजित की गयी। माननीया राष्ट्रपति के परिभ्रमण कार्यक्रम की तैयारी एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संबंधित सभी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रोटोकॉल के अनुसार समय पर सारी तैयारियां सुनिश्चित रूप से पूरा कर ले।एयरपोर्ट, राजभवन एवं कार्यक्रम स्थल के लिए नोडल पदाधिकारियों एवं सहायक नोडल पदाधिकारियों को आपसी समन्वय करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में उप विकास आयुक्त रांची, दिनेश कुमार यादव, अनुमंडल पदाधिकारी सदर रांची, श्री उत्कर्ष कुमार, PDITDA, जिला नजारत उप समाहर्ता रांची, डॉ. सुदेश कुमार एवं जिला जन संपर्क पदाधिकारी रांची, श्रीमती उर्वशी पांडेय उपस्थित थे।

## रांची मोबाइल लूटकांड में 2 आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने बरामद किये लूटे गये सामान

रांची : लालपुर थाना क्षेत्र में हुई मोबाइल लूट की घटना में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सोमवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने जानकारी दी कि 8 फरवरी की रात करीब 9:30 बजे आरके मार्केट के पास घर लौट रहे एक युवक से बाइक सवार 2 बदमाशों ने मोबाइल छीन लिया था। पीड़ित द्वारा लालपुर थाने में शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और विशेष टीम गठित कर कार्रवाई की। जांच के दौरान रितिक सोनी और अशोक कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके पास से लूटा गया मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद कर ली है। सिटी एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में से रितिक सोनी का आपराधिक रिकॉर्ड पहले से मौजूद है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

## खलारी में CISF कैंप के सामने टीपीसी ने की फायरिंग, CCL कर्मी को लगी गोली

**खलारी** : खलारी अंतर्गत चुरी माइंस के सामने सीआईएसएफ कैंप के सामने दहशत फैलाने के इरादे से गोली चली। घटना सोमवार की सुबह करीब पौने ग्यारह बजे की बतायी जाती है। 3 पल्सर बाइक से आए अज्ञात अपराधियों नें घटना को अंजाम दिया। इस घटना में सीसीएल कर्मी प्रदीप साव घायल हो गया। गोली प्रदीप साव के पैर में लगी है। उसे आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर, सीआईएसएफ कैंप के सामने पूरी घटना घटी, लेकिन सीआईएसएफ की ओर से कोई एक्शन नहीं लिया गया। घटना की जानकारी खलारी थाना को मिलते ही घटनास्थल पर पहुंच कर जांच शुरु कर दी। अस्पताल में इलाजरत प्रदीप की स्थिति खतरे से बाहर है।

**टीपीसी उग्रवादी ऋषिकेश ने की हवाई फायरिंग** पुलिस सूत्रों की मानें, तो बाइक से पहुंचे दो अपराधी में एक टीपीसी संगठन का सदस्य ऋषिकेश था। जिसनें दहशत फैलाने के उद्देशय से फायरिंग की। गोली की आवाज सुनकर सभी इधर-उधर भागने लगा। वहीं, प्रदीप खड़ा होकर सारा नजारा देख रहा था। उग्रवादियों ने प्रदीप से कुछ पूछा और फिर उसके पैर में गोली मार दी। जानकारी के अनुसार गोली लगने से घायल प्रदीप कोयला का काम करता है। हाल के दिनों में सीसीएल ने उसकी जमीन के एवज में उसे नौकरी दी है। हर दिन की तरह प्रदीप सोमवार को भी चुरी माइंस से काम कर निकल रहा था कि सामने उग्रवादी मिल गए। फिर उनलोगों ने प्रदीप को पैर में गोली मार दी।

## विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक ली फाइलेरिया की गोली

**धनबाद।**मासड्रगएडमिनिस्ट्रेशनकेअंतर्गतफाइलेरियाउन्मूलनकेलिएशुरू हुए मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक गोली का सेवन क्रिया। इस क्रम में राजकीयकृत मध्य विद्यालय दुर्गा मंदिर में विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि अजय कुमार सिन्हा की देखरेख में पोषण सखी मालती टुडू तथा सुधा कुमारी ने उम्र के अनुरूप बच्चों को मध्याह्न भोजन लेने के पश्चात गोली खिलाई। विद्यार्थी स्वयं दवा लेने के लिए उत्सुक दिखे। अभियान को बेहतर तरीके से संचालित करने में प्रभारी प्रधानाध्यापक दिलीप कुमार कर्ण, राज कुमार वर्मा, धीरज कुमार, रंभा कुमारी, सौम्या, रीमा, संचिता, सादमुनी, वीणा, बाल संसद के सदस्य अंतरा, बबनी, रोहित, गोलू आदि का सराहनीय योगदान रहा।

## सिन्दरी की जन समस्यो से निजात पाने के लिए उलगुलान जरूरी

सिन्दरीः- 9/02/25 को बिरसा परिसर मे देर रात तक संयुक्त संघर्ष मोर्चा की एक अहम बैठक अशोक महतो की अध्यक्षता में और गौतम प्रसाद के संचालन में संपन्न हुई। दो मुद्दो पर गहन विचार विमर्श हुआ। पहला मुद्दा शोषित पीडितो के मसीहा और दार्शनिक ए के राय की प्रतिमा सिन्दरी मे स्थापित किया जाय। संयुक्त संघर्ष मोर्चा के साथियो ने राय साहब के प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया। जिसके लिए ट्रस्ट का गठन किया गया। जिसका नामकरण हुआ " ए के राय स्मारक समिति" सिन्दरी, धनबाद, झारखंड। इस ट्रस्ट के अध्यक्ष पूर्व विधायक आनंद महतो, तथा सुरेश प्रसाद संयोजक, अजय कुमार, सत्येंद्र सिंह, कृष्णा प्रसाद महतो, गौतम प्रसाद, सूर्य कुमार सिंह, अशोक महतो, परशुराम सिंह, मुनेश्वर यादव, सुरेश राउत सदस्य चुने गए। पूर्व विधायक आनंद महतो ने संयुक्त संघर्ष मोर्चा के साथियो को संकल्प संदेश मे कहा कि "राय साहब के दर्शन को धरातल पर लाने के लिए सिन्दरी मे प्रतिमा स्थापित करना और सिन्दरी के जन समस्याओ के निदान के लिए आन्दोलन को माध्यम बनाना जरूरी।" काली सेन गुप्ता ने कहा कि " राय साहब का प्रतिमा लगाना और जन समस्याओ के निदान के लिए तन मन से अन्दोलित होना जरूरी है।" दूसरा सिंदरी के जनमुद्दे जिसमें आवास समस्या का मुख्य मुद्दा है इसपर संघर्ष करने का फैसला लिया गया जिसमें आगामी 18 फरवरी को एचयूआरएल के मुख्य द्वार पर महाधारणा दिया जाएगा।

## कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराएं मैट्रिक – इंटर परीक्षाः डीसी

**बोकारो।** कैंप टू स्थित टाउन हॉल सभागार में उपायुक्त (डीसी) विजया जाधव ने सोमवार को जिले में 11 फरवरी से शुरू होने वाली मैट्रिक – इंटर परीक्षा की तैयारियों को लेकर शिक्षा पदाधिकारी,सभी परीक्षा केंद्र अधीक्षकों,बीडीओ/सीओ सह पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट/स्टैटिक मजिस्ट्रेट आदि के साथ बैठक की। बैठक में पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी, एसडीओ चास सुश्री प्रांजल ढ़ांडा, एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा आदि उपस्थित थे। उपायुक्त विजया जाधव ने कहा कि जहां प्रश्न पत्र रहेगा, वहां किसी तरह की कोई कोताही नहीं हो। सभी जगह सीसीटीवी की निगरानी में प्रश्न एवं उत्तर पुस्तिका रहेंगे, इसे सुनिश्चत करें। परीक्षा केंद्रों में मूलभूत सुविधाएं बिजली/पर्याप्त रौशनी/शौचालय/पेयजल आदि की व्यवस्था हो, ताकि परीक्षार्थियों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो। परीक्षा केंद्रों में परीक्षा का संचालन सीसीटीवी की निगरानी में होगा। कहा कि केंद्राधीक्षक कैमरों की संख्या अनुरूप कमरों की सूची तैयार कर कंट्रोल रूम में उसे प्रदर्शित करेंगे,ताकि निगरानी कार्य में सहूलियत होगी। वहीं, प्रश्न पत्र ले जाने वाले दंडाधिकारी/पुलिस बल ससमय अपने प्रखंड के स्ट्रांग रूम से प्रश्न पत्र/उत्तर पुस्तिका लेंगे और परीक्षा केंद्र में एक घंटे पहले पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही, परीक्षा संपन्न होने के बाद उत्तरपुस्तिका को संबंधित कोषागार में जमा कराएंगे। बीडीओ/सीओ को सभी परीक्षा केंद्रों का स्वयं निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लेने को कहा,जो कमी है उसे तुरंत ठीक करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने डीईओ को भी अपने स्तर से सभी बीईईओ – केंद्राधीक्षक को परीक्षा केंद्रों में व्यवस्था शत प्रतिशत सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त (डीसी) ने कहा कि झारखंड अद्यिविद्य परिषद (जैक) से प्राप्त मार्ग दर्शिका को सभी केंद्राधीक्षक पढ़ लें। मार्ग दर्शिका के अनुरूप ही परीक्षा का संचालन करना है। किसी भी तरह की कोई चूक नहीं हो। छोटी- मोटी सभी कार्य को वर्कआउट कर लें। उन्होंने केंद्राधीक्षकों को कदाचारमुक्त माहौल में परीक्षा को संपन्न कराने को लेकर आवश्यक दिशा – निर्देश दिया।

## तिलका माँझी (11 फरवरी 1750 - 13 जनवरी 1785) ब्रिटिश हुकूमत से लोहा लिया

तिलका माँझी का जन्म 11 फरवरी 1750 को हुआ था, जो असल में देश का पहला ऐसा क्रांतिकारी बना, जिसने अंग्रेजों के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ी। भारतीय स्वाधीनता संग्राम की लड़ाई के पहले शहीद कौन थे। क्या आप उन्हें जानते हैं। क्या कभी उनका नाम सुना है। शायद ना तो आपने उनका नाम सुना हो और ना ही उनके बारे में जानते हों। हमारी आजादी की लड़ाई में रिकार्डों के अनुसार शहीद होने वाले पहले सेनानी बिहार (अब झारखंड) के तिलका मांझी थे। जिन्होंने अंग्रेज शासन के अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई। तिलका मांझी का जन्म 11 फ़रवरी 1750 में बिहार के सुल्तानगंज में हुआ। 1785 में भागलपुर में अंग्रेजों ने उन्हें जेल में डालने के बाद फांसी पर चढ़ा दिया। उन्होंने अंग्रेजी शासन के खिलाफ लंबी लड़ाई छेड़ी। संथालों के प्रसिद्ध 'संथाल विद्रोह' का नेतृत्व भी मांझी ने किया था।

## कदाचार मुक्त परीक्षा संपन्न कराने के लिए दंडाधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

**धनबाद**। जिले के 105 परीक्षा केंद्रों पर 11 फरवरी से 3 मार्च तक वार्षिक माध्यमिक व इंटरमीडिएट परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। शांतिपूर्ण तरीके से और कदाचार मुक्त परीक्षा संपन्न कराने के लिए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को न्यू टाउन हॉल में सभी दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस अवसर पर उपायुक्त ने सेंटर सुपरिंटेंडेंट को परीक्षा के दौरान कदाचार करते पकड़े जाने पर परीक्षार्थी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने, परीक्षा केंद्र में पानी, बिजली, पर्याप्त रोशनी, स्वच्छ शौचालय, सीसीटीवी सहित अन्य सुविधाएं सुनिश्चित करने तथा परीक्षा अवधि में सीसीटीवी से निगरानी रखने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारी को आपस में समन्वय स्थापित करते हुए परीक्षार्थियों की अच्छे से जांच करने, उनकी पहचान सुनिश्चित करने, समय पर प्रश्न पत्र केंद्र तक पहुंचाने का निर्देश दिया। वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन ने पुलिस पदाधिकारियों को सतर्क रहकर अपने कर्तव्य का निर्वहन करने, परीक्षार्थी के फोटो युक्त पहचान पत्र के साथ चेहरे का मिलान करने, किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नहीं ले जाने देने, समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने तथा परीक्षा केंद्र के बाहर लोगों का जमवाड़ा नहीं लगने देने का निर्देश दिया। 11 फरवरी से 3 मार्च तक आयोजित होने वाली वार्षिक माध्यमिक परीक्षा प्रथम पाली में सुबह 9:45 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक तथा इंटरमीडिएट परीक्षा द्वितीय पाली में दोपहर 2:00 बजे से संध्या 5:15 बजे तक आयोजित की जाएगी। बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी निशु कुमारी, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम, डीएसपी सुमित कुमार, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी व अन्य लोग मौजूद थे।

## सामाजिक संस्था ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

सामाजिक संस्था समर्पण एक नेक पहल के द्वारा निरसा के मुगमा भालुकसुंधा, बिहार फायरब्रिक्स कॉलोनी चौक के सरकारी विद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसका नेतृत्व संस्था के प्रवक्ता रिंकू भट्टाचार्य एवं सक्रिय सदस्य अभिषेक सिंह ने किया इस शिविर में कुल 25 रक्त दाताओं ने रक्तदान किया संस्था के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष दिपेश चौहान ने कहा कि धनबाद जिले के लगभग सभी ब्लड बैंकों में अभी रक्त की कमी देखने को मिल रही हैं इसी को देखते हुए यह शिविर का आयोजन किया गया साथ ही जागरुकता का भी विशेष ध्यान रखते हुए यह रक्त दान शिविर एक निरसा के एक सुदूर गाँव में रखा गया हैं ताकि गाँव के लोगों में जो रक्तदान को लेकर जो मन में डर या विभिन्न प्रकार की भ्रांति होती हैं उसे खत्म किया जा सके साथ ही उन्होंने कहा कि भालुकसुंधा जैसे छोटे से ग्रामीण इलाके से यदि इतना रक्त दान मिल रहा हैं तो कहीं ना कहीं ये हमारी संस्था के लिए एक उपलब्धी की बात हैं संस्था के सदस्यों के द्वारा जागरूकता का कार्य हमेशा जारी रहेगा ताकि कभी भी किसी जरूरतमंद की जान रक्त की कमी के कारण गवांना ना पड़े। मौके पर मुख्य रूप से संस्था के जिला उपाध्यक्ष तापेश्वर चौहान, पतंजलि के जिला संयोजक मनजीत सिंहनिरसा प्रखंड अध्यक्ष श्रवण कुमार दास, ब्रह्मदेव मोदी, धर्मेंद्र चौहान, रवीन्द्र कुमार, चंदन कुमार, राकेश महतो श्रीनिवास ब्लड सेंटर टीम से आशुतोष झा, मोकिन एवं अन्य उपस्थित थे।

## डीसी - सीएस - एसी ने दवा खाकर फलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का किया शुभारंभ

**बोकारो**। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन 2025 के तहत फलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त (डीसी) -सह- अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति विजया जाधव, सिविल सर्जन (सीएस) डा. ए बी प्रसाद, अपर समाहर्ता (एसी) मो. मुमताज अंसारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता,जिला भीवीडी पदाधिकारी डा. रेणु भारती, जिला योजना पदाधिकारी राज शर्मा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सिटी कालेज के प्राचार्य, जेएसएलपीएस के डीपीएम आदि ने डीईसी की गोलियों के साथ अल्बेंडाजोल का टैबलेट का सेवन कर जिले में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम की शुरूआत की। इससे पूर्व, दीप प्रज्वलित किया गया। मौके पर अपने संबोधन में उपायुक्त (डीसी) विजया जाधव ने कहा कि फलेरिया (हाथी पांव) मच्छर के काटने से होने वाली बीमारी है। दवा खाकर ही हम इस बीमारी से बच सकते हैं। इस बीमारी के लिए दवा का सेवन करना इसलिए जरूरी है क्योंकि इस बीमारी का इंफेक्शन तुरंत नहीं दिखता है। इसका असर एक से दो दशक बाद होता है। तब तक इसका उपचार लगभग संभव नहीं होता है। इसलिए ऐतिहातन सभी को डीईसी व अल्बेंडाजोल की दवा आयु वर्ग के अनुसार खानी चाहिए। डीसी ने जिलावासियों से फाइलेरिया उन्मूलन के लिए दवा का सेवन करने की अपील की। दवा खिलाने के लिए सभी आंगनबाड़ी केंद्र, सभी स्वास्थ्य उप केंद्र, सभी स्वास्थ्य केंद्र, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व विद्यालयों में कुल 2246 बूथ बनाया गया है। जहां आमजन जाकर दवा का सेवन कर सकते हैं। मंगलवार से अगले 14 दिनों तक डोर टू डोर दवा खिलाई जाएगी। उन्होंने *सिविल सर्जन डा. ए बी प्रसाद समेत अन्य चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को निर्धारित समय पर पूरा करें। साथ ही, शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त (डीसी) ने जिले के सभी विद्यालय प्रधानाध्यापकों, जेएसएलपीएस की महिला स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, मुखिया – उप मुखिया आदि के साथ कार्यशाला का आयोजन कर फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के प्रति जागरूक कर आमजनों को दवा का सेवन करने के लिए प्रेरित करने को कहा। उन्होंने महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग, जेएसएलपीएस, पेयजल एवं स्वच्छता तथा जल संसाधन विभाग, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, पंचायती राज विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, कृषि – पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, नगर निगम चास, नगर विकास एवं आवास विभाग, पथ निर्माण विभाग, श्रम नियोजन एवं कौशल विकास विभाग, पर्यटन – कला – संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग, उर्जा विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई गर्वनैन्स विभाग, गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग एवं अनुसूचित जनजाति - अनुसूचित जाति – अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग को समन्वय बनाकर कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को जरूरी दिशा – निर्देश दिया।

## डीएमओ समेत टीम ने बालू के अवैध उत्खनन स्थल पर की छापेमारी

**बोकारो**। सोमवार को उपायुक्त बोकारो विजया जाधव के निर्देशानुसार जिला खनन पदाधिकारी (डीएमओ) बोकारो रवि कुमार सिंह के नेतृत्व में खान निरीक्षक, जितेन्द्र कुमार महतो एवं सीताराम टुडू, थाना प्रभारी हरला थाना तथा स्थानीय पुलिस बल के साथ संयुक्त रूप से ग्राम भतुआ स्थित दामोदर नदी तट से करीब 200 मीटर दक्षिण की ओर स्थित अवैध बालू उत्खनन /भण्डारण क्षेत्र पर छापामारी अभियान चलाया गया। जिसमें उक्त स्थल पर मिट्टी को खोदकर बालू के अवैध उत्खनन करने का साक्ष्य पाया गया। उक्त स्थल की प्रशाखीय मापी करने पर लगभग 3,34,530 (तीन लाख चौंतीस हजार पाँच सौ तीस) घनफीट बालू एवं 1,56,114 (एक लाख छप्पन हजार एक सौ चौदह) घनफीट साधारण मिट्टी का अवैध उत्खनन किया हुआ पाया गया। मौजा-भतुआ स्थित दामोदर नदी के तट पर अवैध रूप भण्डारित लगभग 9,500 (नौ हजार पाँच सौ) घनफीट बालू को जप्त कर पुलिस केन्द्र, बोकारो परिसर में रखा गया तथा अवैध उत्खनन कार्य में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध हरला थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। इसकी जानकारी जिला खनन पदाधिकारी ने दिया।

## परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

धनबाद।सरस्वती विद्या मंदिर सिंदरी में पीएम मोदी के द्वारा बच्चों को दिए गए टिप्स परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण बच्चों को प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया। प्राचार्य सुनील कुमार पाठक ने कहा कि कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी ने बच्चों को पढ़ाई के आसान टिप्स तथा एग्जाम स्ट्रेस दूर करने के तरीकों को बताया। जिससे भैया बहनों में संघर्ष क्षमता और परीक्षा के दौरान संतुलन बनाए रखने की क्षमता का विकास होगा। परीक्षा के लिए भैया बहनों को उन्होंने अग्रिम शुभकामनाएं प्रदान की। इस अवसर पर पूरा विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

## डीएवी पब्लिक स्कूल सिंदरी कक्षा 6 से 12 तक के बच्चों ने परीक्षा पर चर्चा में आभासी

परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत था और लाभान्वित करने वाला था। प्राचार्य अशोक कुमार सिंह धनबाद ।डीएवी पब्लिक स्कूल सिंदरी में कक्षा 6 से 12 तक के बच्चों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा प्रस्तुत परीक्षा पर चर्चा में आभासी माध्यम के द्वारा भाग लिए । विद्यालय के कुल 423 बच्चे 63 माता-पिता और 24 शिक्षक और शिक्षिकाएं तथा 4 शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने सुना और अपने जीवन में प्रयोग करने के लिए प्रतिज्ञा की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने विचार और मन की बातों को अपने परिवार के सदस्यों के साथ साझा करना चाहिए। माता - पिता को अपने बच्चो की तुलना दूसरे बच्चों से कभी नहीं करनी चाहिए, आपका बच्चा अपने में सबसे अनोखा और पूर्ण है। उसके कौशल (स्किल) को पहचान कर उसका मार्गदर्शन करें। बच्चों की क्षमताओं और इच्छाओं को समझने का प्रयास करें। इस अवसर पर प्राचार्य अशोक कुमार सिंह ने कहा कि परीक्षा के दौरान बच्चों में जो तनाव और चिंता होती है, उसको इस प्रकार के कार्यक्रमों द्वारा कम किया जा सकता है। यह कार्यक्रम बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत था और लाभान्वित करने वाला था। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

## जनता दरबार पहुंचे लोगों के मामलों पर डीआरडीए निदेशक ने की सुनवाई

रांची।समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में सोमवार को उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर डीआरडीए निदेशक मेनका ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। आयोजित जनता दरबार में फरियादियों की भीड़ उमड़ी थी। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 41 से ज्यादा लोगों की क्रमवार समस्याओं/शिकायतों पर सुनवाई किया। साथ ही संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। इसके अलावा दर्जनों मामलों का ऑन स्पॉट निष्पादन किया। जनता दरबार में भूमि अतिक्रमण, सामान्य शाखा, भूमि पर कब्जा, आपूर्ति विभाग, मत्स्य विभाग, सहकारिता विभाग, शिक्षा विभाग, राजस्व संबंधित विवाद, जिला भू-अर्जन विभाग, सामाजिक सुरक्षा आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पियूष, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

## प्राप्त सुझावों पर विभाग करेगा सकारात्मक पहलः माननीय मंत्री

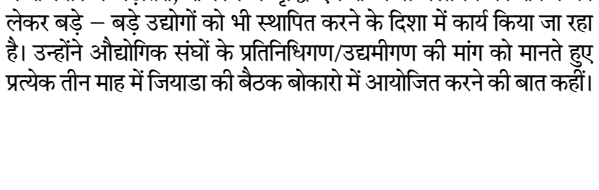

**बोकारो**। सेक्टर वन स्थित हंस रेजेंसी सभागार में सोमवार को जियाडा बोकारो प्रक्षेत्र के सभी औद्योगिक संघों के प्रतिनिधिगण एवं उद्यमीगण के साथ बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता सूबे के श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग एवं उद्योग विभाग के माननीय मंत्री संजय प्रसाद यादव ने किया। मौके पर जियाडा के सचिव राजेश कुमार सिंह, उपायुक्त सह क्षेत्रीय निदेशक जियाडा विजया जाधव, क्षेत्रीय उप निदेशक मनोज कुमार समेत अन्य उपस्थित थे। बैठक में क्रमवार लघु उद्योग भारती, बोकारो चेंबर ऑफ इंडस्ट्रीज, संकल्प उद्यम शक्ति, एमएसएमई एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन, एससी-एसटी उद्यमी विकास संघ, झारखंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, एमएसएमई एसोसिएशन ऑफ़ झारखंड, बोकारो चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी टेक्निकल कैंपस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट कॉलेज, भेंड्रा हैंड टूल्स प्रोड्यूसर्स कंपनी लिमिटेड एवं नेशनल स्माल इंडस्ट्रीज एंड बिजनेस के प्रतिनिधियों ने व्याप्त समस्याओं और अपने सुझावों, सरकार/विभाग से अपनी अपेक्षाओं के संबंध में अपनी बात रखीं। वहीं, सभी ने क्रमवार अपनी मांग से संबंधित ज्ञापन भी माननीय मंत्री को सौंपा। मौके पर अपने संबोधन में मंत्री श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग एवं उद्योग विभाग संजय प्रसाद यादव* ने कहा कि उद्यमीगण द्वारा जो भी समस्याएं रखी गई है, उनका निदान करने एवं उनके द्वारा दिए गए सुझावों पर विभाग/सरकार सकारात्मक पहल करेगी। अगर कानून में संशोधन की भी आवश्यकता होगी तो * मुख्यमंत्री के समक्ष इन बातों को रखते हुए इस दिशा में भी पहल* की जाएगी। सभी औद्योगिक संघों के प्रतिनिधिगण/उद्यमीगण की बातों को गंभीरता से सुना एवं नोट किया गया है। राज्य के हित में उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएं जाएंगें। मंत्री, श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग एवं उद्योग विभाग* ने कहा कि सरकार राज्य के बेहतर भविष्य को लेकर सतत प्रयासरत है। सूबे में रोजगार में बढ़ोतरी, राजस्व में वृद्धि एवं राज्य से पलायन को रोकने को लेकर बड़े – बड़े उद्योगों को भी स्थापित करने के दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने औद्योगिक संघों के प्रतिनिधिगण/उद्यमीगण की मांग को मानते हुए प्रत्येक तीन माह में जियाडा की बैठक बोकारो में आयोजित करने की बात कहीं।

# कोविशील्ड वैक्सीन बनाने वाली कंपनी भारत में करेगी 250 करोड़ का निवेश, जानिए क्या है प्लान

**एस्ट्राजेनेका दुनिया की टॉप दवा कंपनियों में शामिल है। इसका मार्केट कैप भारत की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के लगभग बराबर है। कंपनी ने भारत में 250 करोड़ रुपये निवेश करने की घोषणा की है।**

**नई दिल्लीः** दुनिया की टॉप दवा कंपनियों में शामिल एस्ट्राजेनेका (AstraZeneca) ने भारत में 250 करोड़ रुपये निवेश करने की घोषणा की है। एस्ट्राजेनेका का इतिहास 100 साल से भी पुराना है लेकिन यह कोरोना काल में सुर्खियों में आई थी। कंपनी ने कोविशील्ड वैक्सीन विकसित की थी। भारत में कंपनी की सहयोगी एस्ट्राजेनेका इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (AZPIL) चेन्नई में अपने ग्लोबल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी सेंटर के विस्तार पर 250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी का दावा है कि इससे 1300 लोगों को रोजगार मिलेगा। कंपनी के भारत में बिजनस को इसी महीने 45 साल पूरे होने जा रहे हैं। AZPIL के एमडी और कंट्री प्रेजिडेंट डॉ. संजीव पंचाल ने कहा कि चेन्नई फैसिलिटी का विस्तार इस बात का प्रमाण है कि कंपनी साइंस और इनोवेशन के प्रति कितनी प्रतिबद्ध है। भारत प्रतिभाओं से भरा है और यहां का ईकोसिस्टम डिजिटल एडवांसमेंट्स के लिए भी काफी डायनैमिक है। यही कारण है कि भारत हमारे ग्लोबल ऑपरेशंस का हब है। अभी चेन्नई फैसलिटी 334,000 वर्ग फीट में फैली है और अगले छह महीने में इसमें करीब 180,000 वर्ग फीट स्पेस और जोड़ा जाएगा। इस तरह यह कंपनी का सबसे बड़ा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर बन जाएगा। अभी कंपनी के देशभर में 4,000 से अधिक कर्मचारी हैं। **कंपनी का इतिहास** साल 1999 में स्वीडन की एस्ट्रा एबी और ब्रिटेन की जेनेका पीएलसी के मर्जर से एस्ट्राजेनेका का गठन हुआ था। एस्ट्रा एबी की स्थापना 1913 में स्वीडन में डॉक्टरों के एक ग्रुप ने की थी। जेनेका की शुरुआत 1926 में इम्पीरियल केमिकल इंडस्ट्रीज (ICI) के रूप में हुई थी। कई साल तक यह ब्रिटेन की टॉप दवा कंपनियों में शामिल रही। 1999 में इन दोनों कंपनियों के मर्जर के बाद एस्ट्राजेनेका का जन्म हुआ। इसके बाद से इस कंपनी ने पिछले 25 साल में दुनियाभर में कई दवा कंपनियों का अधिग्रहण किया है। एस्ट्राजेनेका आज दुनिया की टॉप दवा कंपनियों में शामिल है। इसका मार्केट कैप 238.12 अरब डॉलर है और यह दुनिया की 46वीं बड़ी वैल्यूएबल कंपनी है।

# टीम इंडिया को घर लाने के लिए एयर इंडिया ने तोड़ा नियम! जानें फ्लाइट शेड्यूल कैसे होती है

**टीम इंडिया वेस्टइंडीज में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद घर लौट चुकी है। टीम को एयर इंडिया की एक विशेष उड़ान से स्वदेश लाया गया। लेकिन इसके लिए एयर इंडिया ने अपनी एक निर्धारित फ्लाइट को कैंसल किया। इस पर विवाद हो गया है। जानिए कैसे शेड्यूल होती है फ्लाइट...**

**नई दिल्लीः** टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया स्वदेश लौट चुकी है। टीम को एयर इंडिया के एक विशेष विमान से भारत लाया गया। लेकिन इसके साथ ही एक विवाद भी शुरू हो चुका है। सूत्रों के मुताबिक एयर इंडिया ने अमेरिका से भारत आने वाली अपनी निर्धारित उड़ान रद्द की और इस विमान का इस्तेमाल टीम इंडिया के खिलाड़ियों को बारबाडोस से स्वदेश लाने के लिए किया गया। सिविल एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए ने इस बारे में टाटा ग्रुप की इस एयरलाइन से जवाब मांगा है। बोइंग 777 विमान टीम इंडिया को लेकर बुधवार को ब्रिजटाउन के ग्रांटली एडम्स अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ा और गुरुवार सुबह नई दिल्ली में उतरा। बीसीसीआई ने इसके लिए विमान किराये पर लिया था। नियमों के मुताबिक किसी एयरलाइन को चार्टर विमान ऑपरेट करने के लिए निर्धारित उड़ानों को बाधित नहीं करना चाहिए। सूत्रों के मुताबिक एयर इंडिया ने 2 जुलाई को नेवार्क-दिल्ली के बीच अपनी उड़ान संख्या AI 106 को रद्द कर दिया था। DGCA ने एयर इंडिया को यह फ्लाइट ऑपरेट करने की अनुमति दी थी लेकिन अब उसने एयर इंडिया से पूछा है कि अमेरिका में फंसे यात्रियों की मदद के लिए उसने क्या कदम उठाए। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नियामक ने एयर इंडिया से फंसे हुए यात्रियों की सुविधा के लिए उठाए गए कदमों को स्पष्ट करने को कहा है। चार्टर उड़ानों के संचालन के लिए एयरलाइन को डीजीसीए से पूर्व अनुमति लेनी होती है।

**यात्रियों ने क्या कहा** सूत्रों ने बताया कि डीजीसीए ने एयर इंडिया के विमान चालक दल को उनके निर्धारित ड्यूटी घंटों से परे काम करने की विशेष छूट दी है। उन्होंने बताया कि नियामक ने यह अनुमति इस शर्त पर दी है कि यात्रियों को असुविधा नहीं होगी। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने ईटी के सवालों का जवाब नहीं दिया। एक सूत्र ने बताया कि एयरलाइन ने यात्रियों को उड़ान रद्द होने के बारे में सूचित कर दिया था और उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी कर दी थी। उन्होंने बताया कि कुछ यात्रियों को न्यूयॉर्क से दिल्ली की उड़ान में भी जगह दी गई तथा बाकी यात्रियों को होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई। नेवार्क-दिल्ली फ्लाइट के यात्री अंकुर वर्मा ने कहा कि उन्हें एयर इंडिया द्वारा कोई जानकारी नहीं दी गई।

# मैंने बहुत टॉयलेट साफ किए हैं... Nvidia के सीईओ जेनसन हुआंग के बयान पर एलन मस्क ने क्या कहा?

**दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ने एनवीडिया के सीईओ और फाउंडर जेनसन हुआंग की तारीफ की है। हुआंग के एक पुराने वीडियो पर मस्क की प्रतिक्रिया आई है। जानिए क्या है मामला...**

**नई दिल्लीः** एआई चिप बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी एनवीडिया (Nvidia) के फाउंडर और सीईओ जेनसन हुआंग अपनी अलग कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। उनकी इस कार्यशैली के दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क भी कायल हैं। टेस्ला, स्पेसएक्स, एक्स समेत कई कंपनियां चलाने वाले मस्क ने हाल ही में हुआंग की कार्यशैली की प्रशंसा की। हुआंग के एक पुराने वीडियो पर मस्क ने टिप्पणी की है। एक्स पर शेयर किए गए इस वीडियो में हुआंग अपने शुरुआती दिनों के बारे में बात कर रहे हैं। हुआंग का कहना है कि उनके लिए कोई भी काम छोटा नहीं है। उनकी इसी अदा के मस्क कायल हो गए हैं। हुआंग वीडियो में कह रहे हैं, 'मेरे लिए कोई भी काम छोटा नहीं है। याद कीजिए कि किसी जमाने में मैं बर्तन धोने वाला व्यक्ति था।' यह वीडियो स्टैनफोर्ड के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनस में मार्च में दिए गए एक साक्षात्कार के दौरान रिकॉर्ड किया गया था। उन्होंने कहा, 'मैं टॉयलेट साफ करता था। मैंने बहुत सारे टॉयलेट साफ किए हैं। मैंने आप सभी लोगों की तुलना में ज्यादा टॉयलेट साफ किए हैं।' उनकी इस बाद से दर्शक अपनी हंसी नहीं रोक पाए। हुआंग ने बताया कि इस काम ने उनके अंदर सभी तरह का काम करने वाले लोगों के लिए सम्मान की भावना पैदा की। उन्होंने कहा, 'आप मुझे ऐसा कोई कार्य नहीं बता सकते जो मेरे स्तर से नीचे हो।'

**मस्क की प्रतिक्रिया** मस्क ने हुआंग के इस रवैये और एथिक्स की प्रशंसा की। मस्क ने एक्स पर साझा किए गए पोस्ट के जवाब में कहा, 'बिल्कुल सही रवैया।' टेस्ला के सीईओ ने साथ ही कहा कि कोरोना के दौरान, उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि कमी होने के बावजूद उनके कारखानों में टॉयलेट पेपर उपलब्ध हों। उन्होंने कहा, 'कोविड में टॉयलेट पेपर की कमी के दौरान, मैं यह सुनिश्चित कर रहा था कि हमारे कारखानों और कार्यालयों में टॉयलेट पेपर हो!' मस्क दुनिया के सबसे बड़े रईस हैं।

# इस बीमा का ऐसे लें लाभ, 100 रुपये के प्रीमियम में महज 2 रुपये आप देंगे

**देश के अन्नदाता मौसम की वजह से परेशान नहीं हों, इसके लिए पीएम फसल बीमा योजना (PMFBY) का लाभ ले सकते हैं। इस साल खरीफ फसल के लिए बीमा योजना की शुरुआत हो चुकी है। इसके तहत किसान खरीफ फसलों का बीमा कराकर अपनी आय सुरक्षित कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इस योजना में बीमा कराने वाले किसानों को कुल प्रीमियम का महज दो फीसदी ही चुकाना होता है। शेष पैसे सरकार देती है।**

**नई दिल्लीः** भारत को कृषि प्रधान देश (Krishi Pradhan Desh) कहा जाता है। यहां अभी भी आबादी का बड़ा हिस्सा खेती-बाड़ी (Farming) पर ही आश्रित है। लेकिन किसानों को फसल तैयार करने में काफी अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है। इसी अनिश्चितता से किसानों को बचाने के लिए सरकार ने फसल बीमा योजना (PM Fasal Bima Yojana) की शुरुआत की है। सबसे अच्छी बात यह है कि इस बीमा योजना (Insurance Scheme) में किसानों को कुल प्रीमियम का महज दो फीसदी ही चुकाना होता है। इसमें प्रीमियम का 98.5 फीसदी हिस्सा तक सरकार चुकाती है। इस साल प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की शुरुआत हो चुकी है। इस बारे में हम बता रहे हैं डिटेल। **शुरू हो चुका है फसल बीमा सप्ताह** केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने की तरफ से इस साल खरीफ फसल के लिए बीमा योजना की शुरुआत हो चुकी है। पिछले दिनों ही कृषि मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि फसल बीमा सप्ताह (1-7 जुलाई 2024) शुरू हो चुका है। इसमें किसान भाई-बहनों से पीएमएफबीवाई से जुड़ कर अपनी आय सुरक्षित करने की गुजारिश की गई है। इस योजना से जुड़ने पर किसानों की फसल को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा मिल जाती है। **किस स्थिति में मिलती है सुरक्षा** प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खड़ी फसल को सूखा, बाढ़, ओला, तूफान, भूस्खलन, चक्रवात, जलभराव, आकाशीय बिजली से उत्पन्न आग और रोके न जा सकने वाले अन्य जोखिमों रोगा से क्षति की स्थिति में सुरक्षा मिलती है। यदि किसी किसान ने अपनी फसल का बीमा कराया है तो उपरोक्त वर्णित वजहों से फसल बरबाद हो जाती है तो उसे बीमा कंपनी की तरफ से क्षतिपूर्ति मिलेगी। इस योजना के तहत फसल बीमा कराने वाले किसानों को सभी खरीफ फसलों के लिए केवल 2% एवं सभी रबी फसलों के लिए 1.5% का एक समान प्रीमियम का भुगतान करना होता है। वार्षिक वाणिज्यिक और बागवानी फसलों के मामले में प्रीमियम केवल 5% होगा। शेष प्रीमियम का भुगतान सरकार द्वारा किया जाता है।

# बढ़ सकती है भारत की सॉवरेन रेटिंग लेकिन अगले दो साल में करना होगा यह काम

**भारतीय इकॉनमी के लिए अच्छी खबर है। S&P ग्लोबल रेटिंग्स का कहना है कि भारत की सॉवरेन रेटिंग बढ़ सकती है। लेकिन इसके लिए सरकार को राजकोषीय घाटे पर लगाम लगाने की जरूरत है। अगर भारत का फिस्कल डेफिसिट 4% तक आ आए तो सॉवरेन रेटिंग बढ़ सकती है।**

**नई दिल्लीः** यदि केंद्र सरकार अगले दो वर्षों में राजकोषीय घाटे को ग्रॉस डोमेस्टिक प्रॉडक्ट के 4% के स्तर तक ले आए, भारत की सॉवरेन रेटिंग बढ़ सकती है। S&P ग्लोबल रेटिंग्स के एक अधिकारी ने यह बात कही। S&P ग्लोबल रेटिंग्स के डायरेक्टर (सॉवरेन रेटिंग्स) ग्रीफर्न फुआ ने कहा कि रेटिंग में अपग्रेड के लिए ट्रिगर यह होगा कि केंद्र और राज्यों का डेफिसिट GDP के 7% से नीचे आ जाए और इसमें बड़ा योगदान केंद्र सरकार को करना होगा। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र सरकार फिस्कल डेफिसिट को GDP के 49% तक ले आए तो हम अगले 24 महीनों में रेटिंग अपग्रेड के बारे में विचार करेंगे। केंद्र सरकार ने मौजूदा वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे को GDP के 5.1% तक लाने का लक्ष्य रखा है, जो 2023-24 में 56% पर था फिस्कल कंसॉलिडेशन रोडमैप के मुताबिक, 2025-26 तक राजकोषीय घाटे को 4.5% तक लाया जाना है। देश के शीर्ष 18 राज्यों का राजस्व चालू वित्त वर्ष 2024- 25 में आठ से 10% बढ़कर 38 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में यह कहा गया। इन 18 राज्यों का भारत के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 90% योगदान है। **कैसे बढ़ेगी जीडीपी** S&P ने मई में भारत के लिए आउटलुक अपग्रेड करके पॉजिटिव कर दिया था। हालांकि सावरेन रेटिंग को 'BBB ही रहने दिया रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले तीन वर्षों में औसतन 8% की ग्रोथ दर्ज की है। अगर इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी दिक्कतें खत्म कर ली जाए तो 8% की ग्रोथ भी हासिल कर सकता है। S&P का अनुमान है कि मौजूदा वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.8% रहेगी, जो पिछले वित्त वर्ष के 8.2% से कम होगी।

# शहद-घी से तैयार कर दी गाजर की खास किस्म, 8वीं फेल महिला की अब हर महीने 4 लाख से अधिक की कमाई

**संतोष पचार राजस्थान के सीकर जिले की रहने वाली प्रगतिशील महिला किसान हैं। उन्होंने गाजर की खेती में कई इनोवेशन किए हैं। वह अपनी सफलता के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुकी हैं। उनकी कहानी दिखाती है कि कैसे किसान नवाचार और तकनीकी ज्ञान का इस्तेमाल करके अपनी खेती को अधिक फायदेमंद बना सकते हैं।**

**नई दिल्लीः** आज हम आपको ऐसी महिला किसान से मिलाते हैं जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से खेती में क्रांति ला दी है। उनका नाम है संतोष पचार। वह राजस्थान के सीकर से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने गाजर की गुणवत्ता सुधारने के लिए अनोखी तकनीक का इस्तेमाल किया। इससे संतोष की आमदनी में भारी इजाफा हुआ। साथ ही उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी मिली। आइए, यहां संतोष पचार की सफलता के बारे में जानते हैं। **टेढ़ी-मेढ़ी और बेस्वाद गाजरों से थीं परेशान** संतोष पचार अपने खेत में टेढ़ी-मेढ़ी और बेस्वाद गाजरों से बहुत परेशान रहती थीं। इसकी वजह से उन्हें बाजार में अच्छी कीमत नहीं मिलती थी। अपनी इस समस्या का हल खोजने के लिए उन्होंने राज्य सरकार की ओर से आयोजित कृषि मेलों में जाना शुरू किया। इन मेलों में उन्होंने खेती की नई-नई तकनीकों के बारे में सीखा और विशेषज्ञों से सलाह ली। **अनोखा तरीका किया ईजाद** ट्रेनिंग के बाद संतोष पचार ने अपनी समस्या की असली वजह पहचान ली। यह थी घटिया किस्म के बीज। हार न मानकर उन्होंने एक नया प्रयोग करने का फैसला किया। उन्होंने शहद और घी के मिश्रण से पॉलिनेशन (परागण) का अनोखा तरीका ईजाद किया। उनके इस तरीके पर लोगों को यकीन नहीं हुआ। लेकिन, संतोष ने इसे जारी रखा। **बदल गई किस्मत** नतीजे हैरान करने वाले थे। हर फसल के साथ उनके गाजरों की गुणवत्ता में सुधार होता गया। गाजर मीठे, चमकदार और आकार में बेहतर होने लगे। उनके इस नए बीज ने न केवल उपज की गुणवत्ता में सुधार किया बल्कि फसल चक्र को भी तेज कर दिया, जिससे उन्हें जल्दी मुनाफा होने लगा। संतोष और उनके पति की किस्मत बदल गई। उनकी सालाना आय 1.5 लाख रुपये से बढ़कर 50 लाख रुपये हो गई। यह उनकी कड़ी मेहनत और नई सोच का नतीजा था। **राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित** संतोष पचार की इस उपलब्धि के लिए उन्हें 2013 और 2017 में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपनी सफलता को दूसरों के साथ बांटने का फैसला किया। संतोष ने राज्य के 7,000 से अधिक किसानों को जैविक खेती और नई तकनीकों के बारे में बताया। संतोष की कहानी यह साबित करती है कि मुश्किलों से हार न मानकर, नई सोच और लगन से सफलता हासिल की जा सकती है।

# तेजी से घट रही है गरीबी, अब यह एक अंक में आ गई, जानिए किस रिसर्च पेपर में किया गया है दावा

**एक रिसर्च पेपर में दावा या गया है कि भारत में गरीबी की दर में तेजी से कमी हो रही है। इकनॉमिक थिंक टैंक NCAER का एक लेटेस्ट रिसर्च पेपर कहता है कि अब गरीबी की दर घट कर 8.5 फीसदी रह गई है। इसलिए सरकार को गरीबी हटाने की रणनीति में बदलाव की आवश्यकता है।**

**नई दिल्लीः** केंद्र सरकार भले ही देश के 80 करोड़ लोगों को गरीब (Poor) मान कर उन्हें हर महीने मुफ्त राशन दे रही हो। लेकिन असलियत में कुछ और है। इकनॉमिक थिंक टैंक नेशनल काउंसिल ऑफ अप्लायड इकनॉमिक रिसर्च या नसीएईआर (NCAER) के एक लेटेस्ट रिसर्च रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत में गरीबी का स्तर घट गया है। साल 2011-12 में गरीबी की जो दर 21.2% पर थी, वह 2023-24 में 8.5% पर आ गई। **तेजी से घट रही है गरीबी** NCAER के रिसर्च पेपर 'रीथिंकिंग सोशल सेफ्टी नेट्स इन ए चेंजिंग सोसायटी' में कहा गया कि गरीबी में कमी और इकनॉमिक ग्रोथ के चलते बने हालात में सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रमों में बदलाव करने की जरूरत है। दरअसल, इस रिसर्च पेपर में इंडिया ह्यूमन डिवेलपमेंट सर्वे के आंकड़ों सहारा लिया गया है। इसमें कहा गया है, 'IHDS के आंकड़ों के मुताबिक, 2004-05 से 2011-12 के बीच गरीबी में काफी कमी आई और हेडकाउंट रेशियो 38.6 से 21.2 पर आ गया। 2011-12 से 2022-24 के बीच इसमें गिरावट जारी रही और रेशियो 21.2 से 8.5 पर आ गया, जबकि इस दौरान कोविड महामारी के चलते चुनौतियां भी आई थीं। **सरकार को रणनीति बदलनी चाहिए** इसमें कहा गया है कि इकनॉमिक ग्रोथ होने और गरीबी घटने के चलते माहौल बदल सकता है। हो सकता है कि भीषण गरीबी से निपटने की परंपरागत रणनीतियां अब हो सकता है कि कम असरदार हों। सामाजिक बदलाव की रफ्तार को देखते हुए सामाजिक सुरक्षा के कार्यक्रमों में भी बदलाव करने की भी चुनौती है, क्योंकि भारत एकसमान


# तेजी से घट रही है गरीबी, अब यह एक अंक में आ गई, जानिए किस रिसर्च पेपर में किया गया है दावा


**रिलायंस रिटेल चीन के लोकप्रिय फैशन ब्रांड शीन को भारत में लाने के लिए तैयार है। यह एक लाइसेंसिंग समझौते के तहत होगा। इसके अंतर्गत रिलायंस रिटेल शीन के ब्रांड नाम और उत्पादों को बेचने का अधिकार हासिल करेगी। यह समझौता दोनों कंपनियों के लिए फायदेमंद माना जा रहा है। रिलायंस रिटेल को भारत के विशाल फैशन बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने का मौका मिलेगा, जबकि शीन को एक नए और महत्वपूर्ण बाजार में प्रवेश करने का।**

**नई दिल्लीः** मुकेश अंबानी की रिलायंस रिटेल वेंचर्स चीन की फैशन ब्रांड शीन को भारत में लाने की तैयारी में हैं। यह कदम दोनों कंपनियों के बीच एक साल पहले हुए समझौते का नतीजा है। शीन के प्रोडक्ट रिलायंस के ऐप और ऑफलाइन स्टोर्स पर मिलेंगे। यह खबर ऐसे समय आई है जब भारत में फैशन मार्केट तेजी से बढ़ रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2031 तक यह बाजार 50 अरब डॉलर से भी ज्यादा का हो जाएगा। ऐसे में शीन का भारत आना मौजूदा कंपनियों जैसे Myntra और टाटा ग्रुप के Zudio को कड़ी टक्कर दे सकता है। शीन दुनिया की सबसे बड़ी फैशन कंपनियों में से एक है। इसके 150 से ज्यादा देशों में ग्राहक हैं। सोशल मीडिया पर इसके 25 करोड़ से अधिक फॉलोअर्स हैं। 2023 में शीन का मुनाफा 2 अरब डॉलर से ज्यादा रहा। कंपनी ने तकरीबन 45 अरब डॉलर का माल बेचा। यह साझेदारी शीन के लिए भारत में अपने बिजनेस को बढ़ाने का एक नया मौका है।

# अब नहीं होगी शेयर मार्केट में गड़बड़ी! SEBI का शेयर ब्रोकर्स को नया सिस्टम बनाने का निर्देश

**मार्केट रेगुलेरटर SEBI शेयर मार्केट में गड़बड़ी रोकने के लिए सख्त रुख अपना रहा है। उसने शेयर ब्रोकर्स को बाजार में किसी तरह की गड़बड़ी का पता लगाने और उसे रोकने के लिए नया सिस्टम बनाने का निर्देश दिया है।**

**नई दिल्लीः** मार्केट रेगुलेरटर SEBI ने शेयर ब्रोकर्स को बाजार में किसी तरह की गड़बड़ी का पता लगाने और उसे रोकने के लिए नया सिस्टम बनाने का निर्देश दिया है। SEBI ने इस बारे में एक अधिसूचना जारी की है। इसके पहले शेयर ब्रोकर को इस काम के लिए जवाबदेह बनाने के लिए कोई विशेष रेगुलेटरी प्रोविजन नहीं था। SEBI की अधिसूचना के मुताबिक, इंस्टीटट्यूशनल मैकनिजम (संस्थागत व्यवस्था) के तहत ब्रोकिंग फर्म के साथ इसके टॉप मैनेजमेंट को फ्रॉड या मार्केट एब्यूज का पता लगाने और इसे रोकने के लिए जवाबदेह बनाया जाएगा। इसके लिए ब्रोकर्स को मजबूत निगरानी और नियंत्रण सिस्टम बनाना होगा SEBI ने फ्रॉड या मार्केट एब्यूज के वैसे संभावित मामले भी बताए हैं, जिनकी निगरानी के लिए ब्रोकर सिस्टम को उपाए करने की जरूरत है। ऐसे मामलों में ट्रेडिंग की गलत तस्वीर पेश करना, भाव में हेराफेरी, फ्रंट रनिंग (संवेदनशील जानकारी के आधार पर लाभ उठाना), इनसाइडर ट्रेडिंग, मिस-सेलिंग और अनऑथराइज्ड ट्रेडिंग शामिल हो सकते हैं। **48 घंटे में देनी होगी जानकारी** SEBI ने 27 जून को जारी अधिसूचना में शेयर ब्रोकर को कहा है कि उन्हें किसी भी संदिग्ध गतिविधि का पता लगने के 48 घंटे के भीतर उसकी जानकारी स्टॉक एक्सचेंजेज को देनी होगी।

**एक नजर.....**

**भारत-चीन सीमा विवाद के बीच वांग यी से मिले जयशंकर, कजाकिस्तान में हुई मीटिंग**

**भारत के विदेश मंत्री कजाकिस्तान में एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए पहुंचे हैं। यहां उन्होंने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच मीटिंग की तस्वीरें सामने आई हैं। माना जा रहा है कि उनके बीच सीमा से जुड़े मुद्दे पर बातचीत हुई।**

**अस्तानाः** भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन के दौरान अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मिले। दोनों ने यहां गर्मजोशी से हाथ मिलाया। साथ में तस्वीर खिंचवाने से पहले उन्होंने कुछ देर बात भी की। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच मुख्य बातचीत सीमा विवाद पर केन्द्रित थी। भारत का मानना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता दोनों देशों के बीच सामान्य संबंधों के लिए अहम है। भारत और चीन के बीच जून 2020 की गलवान हिंसा के बाद तनाव जारी है। चीन लगातार वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति को आक्रामक तरीके से बदलने की कोशिश करता रहता है। सीमा पर तनाव के बावजूद इस साल मार्च में भारत और चीन ने एलएसी के पश्चिमी क्षेत्र पर मुद्दों को हल करने के तरीकों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

डॉ जयशंकर एससीओ राष्ट्राध्यक्ष परिषद की 24वीं बैठक में भाग लेने के लिए कजाकिस्तान में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। अस्ताना पहुंचने पर जयशंकर का कजाकिस्तान के उप विदेश मंत्री अलीबेक बकाये ने स्वागत किया। इसके अलावा बुधवार को वह अस्ताना में पुश्किन पार्क पहुंचे जहां उन्होंने भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। जयशंकर ने इस आयोजन के लिए कजाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

**रूसी विदेश मंत्री से मिले जयशंकर**

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को रूस के अपने समकक्ष सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने युद्ध क्षेत्र में रूसी सेना के लिए लड़ रहे भारतीय नागरिकों का मुद्दा उठाया और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। दोनों विदेश मंत्रियों के बीच यह मुलाकात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करने के लिए मॉस्को की प्रस्तावित यात्रा से पहले हुई है। अभी इस यात्रा की आधिकारिक घोषणा नहीं की गयी है लेकिन ऐसी जानकारी है कि मोदी अगले सप्ताह मॉस्को की यात्रा कर सकते हैं।

**भारतीय नागरिकों की वापसी की मांग**

जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात कर आज खुशी हुई। हमारी द्विपक्षीय साझेदारी और समकालीन मुद्दों पर व्यापक बातचीत हुई। दिसंबर 2023 में हमारी आखिरी मुलाकात के बाद से कई क्षेत्रों में हुई प्रगति पर चर्चा की।' जयशंकर ने पोस्ट में कहा, 'भारतीय नागरिकों को लेकर अपनी गंभीर चिंता जतायी जो अभी युद्ध क्षेत्र में हैं। उनकी सुरक्षित तथा जल्द वापसी पर जोर दिया।' उन्होंने बैठक की तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही भारत रूस से उसकी सेना द्वारा भर्ती किए भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और देश वापसी पर जोर देता रहा है। उसने 'युद्ध क्षेत्र में भारतीयों' के बारे में सूचना मिलने पर फौरन कार्रवाई की है।

# अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र की आंख में धूल झोंक रहा तालिबान सरगना हैबतुल्ला, दोहा वार्ता में किया खेल

**तालिबानी सरकार की कोशिश है कि बिना कोई रियायत दिए दुनिया उसे अपना ले। तालिबानी सरगना हैबतुल्ला ने अपने विदेश मंत्री की जगह पर सरकार के प्रवक्ता को दोहा में संयुक्त राष्ट्र संग वार्ता करने के लिए भेजा। उसने अपने विदेश मंत्री को भी नहीं भेजा। इसको लेकर विश्लेषक सवाल उठा रहे हैं।**

**कादुलः** कतर की राजधानी दोहा में तालिबान की अंतरिम सरकार और संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों के बीच बैठक हुई। तालिबानी सरकार ने संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका समेत अंतरराष्ट्रीय समुदाय से गुहार लगाई कि वे अफगानिस्तान के बैंकिंग और आर्थिक सेक्टर लगाए गए प्रतिबंधों को हटा लें। तालिबान की इस मांग पर अमेरिका और अन्य देशों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। वहीं विश्लेषकों का कहना है कि तालिबान सरगना हैबतुल्ला अखुंदजादा ने विदेश मंत्री की जगह तालिबानी सरकार के प्रवक्ता को दोहा वार्ता में भेजकर बड़ा खेल किया है। इसे पश्चिमी देश समझ नहीं पा रहे हैं, वहीं चीन और रूस बखूबी समझ रहे हैं। अफगानिस्तान के चर्चित पत्रकार और अभी कनाडा में रह रहे बिलाल सरवरी का कहना है कि कुछ महीने पहले तालिबान के अमीर हैबतुल्ला ने कंधार के गवर्नर मुल्ला शिरिन को वार्ता के लिए पाकिस्तान भेजा था। इसे बहुत हैरानी के साथ लिया गया था कि एक गवर्नर को किसी दूसरे देश के साथ वार्ता के लिए भेजा गया हो। यह एक ऐसा काम है जिसे विदेश मंत्रालय के स्तर पर निपटाया जाता है। हैबतुल्ला ने सतर्कता के साथ काबुल के किसी भी प्रनिधिमंडल को पाकिस्तान नहीं भेजा। बता दें कि तालिबान के अंदर कंधार बनाम काबुल गुट में आपसी घमासान मचा हुआ है। हैबतुल्ला कंधार में रहता है और उसी गुट को सपोर्ट करता है।

**काबुल नहीं कंधार से होता है तालिबानी फैसला** सरवरी ने बताया कि हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के साथ वार्ता के लिए शुरुआती दौर में तालिबानी विदेश मंत्री मुल्ला मुताकी और संस्कृति मंत्री मुल्ला खैरख्वाह का नाम लिस्ट में डाला गया था लेकिन बाद में उसे अचानक से बदल दिया गया। इस लिस्ट में जबीउल्लाह मुजाहिद को शामिल किया गया जो तालिबान का प्रवक्ता है। उसे हैबतुल्ला के कहने पर दोहा सम्मेलन में शामिल होने के लिए भेजा गया। उन्होंने कहा कि पश्चिमी राजनयिकों को आशंका है कि हैबतुल्ला ने जानबूझकर कम रैंक के जबीउल्लाह को दोहा भेजा ताकि वह यह दिखा सके कि उसकी अंतरराष्ट्रीय समुदाय से जुड़ने की कोई इच्छा नहीं है। बिलाल सरवरी ने कहा कि यह संदेह सही हो सकता है। तालिबान के कुछ हाई रैंकिंग अधिकारी मानते हैं कि हैबतुल्ला का कदम यह दिखाता है कि उसका काबुल की 'कार्यकारी सरकार' में भरोसा कम है। इस संदेश को ईरान, चीन और रूस को बखूबी समझ में आ गया है। तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद इन देशों की सरकारें सीधे कंधार में हैबतुल्ला के कार्यालय और उनके करीबी लोगों के साथ ही बातचीत कर रही हैं। काबुल में बने दूतावास ज्यादातर खुफिया सूचना जुटाने और जासूसी के लिए किया जाता है। सरवरी ने कहा कि असली बातचीत कंधार में होती है। उन्होंने कहा कि यह सवाल अभी बना रहेगा कि क्या अमेरिका और उसके गठबंधन सहयोगी यह समझेंगे कि असली फैसला तालिबान का कहां से होता है।

# ऋषि सुनक जीतें या कीर... ब्रिटेन में इंडियंस को मिलने जा रही खुशखबरी... निचले सदन में बढ़ेगी भारतवंशियों की संख्या

**ब्रिटेन के चुनाव में मुख्य मुकाबला पीएम ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी और कीर स्टार्मर की लेबर पार्टी के बीच है। बीते करीब 18 महीने से ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक भी भारतीय मूल के हैं। हालांकि चुनाव पूर्व के सर्वेक्षणों में सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी विपक्षी लेबर पार्टी से पिछड़ रही है।**

**लंदनः** ब्रिटेन में नई सरकार चुनने के लिए आज, 4 जुलाई को वोट डाले जा रहे हैं। इस चुनाव में मौजूदा पीएम ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी और कीर स्टार्मर के नेतृत्व वाली लेबर पार्टी में सीधा मुकाबला माना जा रहा है। चुनाव के नतीजे शुक्रवार को आ जाएंगे। हालांकि पूर्व सर्वेक्षणों में लेबर पार्टी की जीत का दावा किया गया गया है। ऐसा हुआ तो ऋषि सुनक की जगह कीर स्टार्मर यूके के नए प्रधानमंत्री बनेंगे। ब्रिटेन में मतदाता किसे नया पीएम चुनते हैं, इसका फैसला शुक्रवार को होगा लेकिन नई संसद में भारतीय मूल के लोगों की संख्या बढ़ना लगभग तय माना जा रहा है। इसकी वजह ये है कि इस चुनाव में रिकॉर्ड संख्या में एशियाई मूल के लोग चुनाव मैदान में हैं और ज्यादातर की स्थिति भी इलेक्शन में अच्छी है। टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक, लेबर पार्टी से लेकर टोरीज और नवगठित संगठनों तक ज्यादतर ने इस बार भारतीय मूल के उम्मीदवारों पर बड़ी संख्या में दांव खेला है। ब्रिटेन के आम चुनाव में 100 से ज्यादा भारतीय मूल के उम्मीदवार निचले सदन में जाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। इनमें से कई ब्रिटेन के सफल बैंकर, वकील और डॉक्टर हैं। पिछले इलेक्शन में 63 ब्रिटिश भारतीयों ने चुनाव लड़ा था और 15 जीतकर हाउस ऑफ कॉमन्स में पहुंचे थे। भारतीय मूल के उम्मीदवारों को टिकट देने के मामले में लेबर और टोरीज सबसे आगे हैं तो दूसरे दलों ने भी भारतवंशी चेहरों पर दांव लगाया हैं। **रिफॉर्म यूके ने 13 भारतवंशियों को उतारा** नई पार्टी रिफॉर्म यूके ने 13 तेरह ब्रिटिश भारतीयों को चुनाव में उतारा है। खास बात ये है कि पार्टी का घोषणापत्र 'सभी गैर-आवश्यक प्रवासियों को रोकने' का वादा करता है। सेफ्टन सेंट्रल के लिए पार्टी ने भारत में जन्मे नागेंद्र चिंदम को उम्मीदवार बनाया है। नागेंद्र कहते हैं कि उनकी पार्टी नस्लवादी नहीं है। लेबर पार्टी ने चिंगफोर्ड और वुडफोर्ड ग्रीन सीट के लिए ब्रिटिश भारतीय शमा टैटलर को खड़ा किया है। इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व विंस्टन चर्चिल कर चुके हैं। एक और सीट इस्लिंगटन नॉर्थ पर लेबर के प्रफुल्ल नरगुंड उतरे हैं। ब्रिटेन की कई ऐसी सीट भी हैं, जहां दो ब्रिटिश भारतीयों के बीच ही मुकाबला हो रहा है। लेबर के प्राइमेश पटेल, लिब डेमोक्रेट्स के रीतेंद्र नाथ बनर्जी, वर्कर्स पार्टी ऑफ ब्रिटेन के साराजुलहाग परवानी हैरो ईस्ट पर आमने-सामने हैं।

# भगवद गीता मेरी प्रेरणा... कौन हैं ब्रिटेन चुनाव की हिंदू उम्मीदवार रेवा गुड़ी? वोटरों से किए ये वादे

**ब्रिटेन में आम चुनाव के लिए मतदान हो रहा है। 650 सीटों के लिए लोग वोट डाल रहे हैं। इस चुनाव में कई भारतीय हिंदू भी मैदान में हैं। उन्हीं में से एक डॉ. रेवा गुड़ी हैं। लंदन में पैदा हुईं रेवा प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की ही तरह खुद को गर्व से हिंदू कहती हैं। वह भगवद् गीता को अपना प्रेरणा बताती हैं।**

**लंदनः** ब्रिटेन में बृहस्पतिवार को आम चुनाव के लिए मतदान हो रहा है। इस चुनाव में 650 सीटों के लिए मतदान हो रहा है। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी कंजर्वेटिव पार्टी के भविष्य का फैसला इसी चुनाव से होगा। स्थानीय समय के मुताबिक सुबह सात बजे पूरे देश में मतदान शुरू हो जाएगा। इसके लिए पूरे देश में 40000 से ज्यादा मतदान केंद्र बनाए गए हैं। 650 सीटों में से लगभग 50 सीट ऐसी हैं, जिसे भारतीय सीधे तौर पर प्रभावित कर सकते हैं। वहीं कई भारतीय उम्मीदवार भी मैदान में हैं। इन्हीं में से एक डॉ. रेवा गुड़ी हैं। यह ऋषि सुनक की पार्टी की नेता हैं। जिस तरह ऋषि सुनक खुद को गर्व से हिंदू बताते हैं उसी तरह रेवा गुड़ी का कहना है कि उनकी प्रेरणा भगवद गीता है। फेल्थम और हेस्टन से वह कंजर्वेटिव पार्टी की उम्मीदवार हैं। उन्होंने कहा कि वह समावेशन की शक्ति में विश्वास करती हैं। अपने चुनावी अभियान से जुड़े वीडियों में उन्होंने कहा कि उनका विश्वास और संस्कार उनके जीवन में एक मार्गदर्शक शक्ति रहे हैं। उन्होंने कहा, 'धार्मिकता, सेवा, अहिंसा का सिद्धांत राजनीति में मेरे दृष्टिकोण का अभिन्न अंग है।' आइए जानें डॉ. रेवा गुड़ी और उनके चुनावी अभियान से जुड़ी बातें। **कौन हैं रेवा गुड़ी**? डॉ. रेवा गुड़ी 20 से ज्यादा वर्षों से ब्रिटेन के नेशनल हेल्थ सर्विस (NHS) में जनरल प्रैक्टिशनर हैं। वह पश्चिम लंदन के हिलिंगडन की रहने वाली हैं। डॉ. गुड़ी का जन्म उत्तरी लंदन के बार्नेट में हुआ था। उनके परिवार के भारत लौटने से पहले वह कोलिंडेल के एक प्राथमिक विद्यालय में पढ़ीं। वह साल 2016 से अपने पति, बच्चों और सास-ससुर के साथ हिलिंगडन में रह रही हैं। डॉ. रेवा ने कहा कि एक डॉक्टर और एक स्कूल गवर्नर के रूप में उनका पूरा प्रोफेशनल जीवन पब्लिक सर्विस का रहा है। उनका कहना है कि अगर वह सांसद बनती हैं तो वह कम्युनिटी में ठोस बदलाव ला सकती हैं। उन्होंने कहा कि अगर वह सांसद बनीं तो फेल्थम और हेस्टन उनके दिमाग में सबसे पहले होगा। अपने अभियान के दौरान कहा, 'मैं अपराध पर सख्त रहूंगी। कारणों का समाधान खोजूंगी और सार्थक समाधान निकालने के लिए विभिन्न एजेंसियों और संगठनों के साथ काम करूंगी। मैं फेल्थम और हेस्टन के लिए संसाधनों के लिए लड़ूंगी।' गीता ने मेरी यात्रा में मदद की डॉ. रेवा गुड़ी एक हिंदू हैं और गीता को अपनी प्रेरणा बताती हैं। उन्होंने कहा, 'राजनीति कई उतार-चढ़ावों के साथ अप्रत्याशित है। अक्सर एक ही समय में मुझे कई तरह के लोगों और स्थितियों से निपटना पड़ता है। मैंने पाया कि भगवद गीता का संदेश अहंकार को त्यागने-वैराग्य और बिना फल की इच्छा के कर्तव्य करने को कहता है, जिसने मुझे इस यात्रा में आगे बढ़ने में मदद की। इस कारण यह मेरे लिए आनंददायक बन गया है।'

# एस्टरॉइड के खतरे से दुनिया को बचाने की प्लानिंग में जुटा ISRO, नासा संग मिशन में होगा शामिल!

**13 अप्रैल, 2029 को एक एस्टरॉइड धरती के बेहद पास से गुजरेगा। ये धरती से न टकरा जाए इसे लेकर दुनियाभर के साइंटिस्ट मिशन में जुटे हैं। नासा समेत सभी स्पेस एजेंसियों ने इसके लिए तैयारी की है। एस्टरॉइड एपोफिस के रिसर्च को लेकर ISRO ने भी प्लानिंग की है। एपोफिस के 2036 में फिर से पृथ्वी के करीब आने की आशंका है।**

**नई दिल्ली** : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने 2029 में पृथ्वी के पास से गुजरने वाले एस्ट्रॉइड एपोफिस के रिसर्च की इच्छा जताई है। इसरो अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने बताया कि यह एस्ट्रॉइड धरती के बेहद करीब से गुजरेगा और यह मानवता के लिए एक अनोखा अवसर होगा। इसरो इस अध्ययन में जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (JAXA), यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) और नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) के साथ मिलकर काम कर सकता है। बेंगलुरू में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय वर्कशॉप में इसरो प्रमुख और वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने इस बात पर जोर दिया कि 13 अप्रैल, 2029 को एपोफिस एस्टरॉइड जब पृथ्वी के करीब से गुजर रहा होगा तो भारत भी अंतरिक्ष में इससे रक्षा मिशन का हिस्सा बनना चाहता है।

**क्या बोले इसरो चीफ सोमनाथ**

यह वर्कशॉप एस्टरॉइड दिवस 2024 के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी। इसमें स्कूली छात्रों को एस्ट्रॉइड के प्रभावों, ब्रह्मांड को बेहतर ढंग से समझने के लिए एस्ट्रॉइड अनुसंधान के महत्व और इससे धरती को बचाने के उपाय खोजने के लिए प्रेरित किया गया। इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने एस्ट्रॉइड दिवस कार्यक्रम में कहा कि जब एपोफिस साल 2029 में आएगा। ऐसे में हमें इस एस्ट्रॉइड के बारे में रिसर्च में काफी मदद मिलेगी। यह क्षुद्र ग्रह कहीं धरती से न टकरा जाए, मानवता के लिए एस्ट्रॉइड पर एक साथ काम करने का ये अनूठा अवसर है। भारत को ऐसे प्रयासों का हिस्सा होना चाहिए। अभी यह तय नहीं है कि हमें किस तरह से शामिल किया जाएगा।

**धरती के करीब आया 'प्लैनेट किलर' एस्टेरॉयड, माउंट एवरेस्ट के बराबर है आकार, जानें खतरा** 2029 में धरती के पास पहुंच रहा 'एपोफिस' इसरो वैज्ञानिकों ने कहा कि हम 2029 में पृथ्वी से 32,000 किमी दूर एपोफिस एस्ट्रॉइड के गुजरने पर उसके अध्ययन के लिए पूरी क्षमता से काम कर रहा। जिससे एस्ट्रॉइड को धरती पर दुर्घटनाग्रस्त होने से रोकने के लिए जरूरी ग्रह रक्षा प्रयासों की तैयारी की जा सके। इसरो अध्यक्ष सोमनाथ ने आगे कहा कि इसमें JAXA, ESA और NASA के संयुक्त एपोफिस एस्ट्रॉइड मिशन पर एक इंस्ट्रूमेंट लगाना शामिल हो सकता है। या हम किसी तरह से सहायता प्रदान करके शामिल हो सकते हैं। हम कुछ और भी अलग कर सकते हैं। इसमें हिस्सा लेने और जानने के लिए हमें मिशन में जो भी सहयोग मांगा जाएगा, वह हम प्रदान करना चाहेंगे। हम अपने ज्ञान का प्रसार करने के लिए उत्सुक हैं।

**एस्टेरॉइड से धरती को बचाने की मुहिम** इसरो अध्यक्ष ने 2022 में NASA के DART मिशन का उल्लेख किया, जिसने अंतरिक्ष में एक एस्ट्रॉइड के प्रक्षेपवक्र को बदलने में मदद की। सोमनाथ ने कहा कि एस्ट्रॉइड के पास जाने और उन्हें समझने के लिए कई मिशन हैं। इन्हीं में से एक DART मिशन है। उन्होंने कहा कि यह दिखाने का एक मिशन है कि एक एस्ट्रॉइड के प्रक्षेपवक्र में थोड़ा सा बदलाव लाना और उसे अपने रास्ते से हटाना संभव है। अगर हम किसी एस्ट्रॉइड के प्रक्षेपवक्र को बदल सकते हैं, तो यह पृथ्वी को थोड़े से अंतर से चूक जाएगा। यह पृथ्वी को बचाने के लिए काफी होगा।

# फ्रांस में 1,300 साल से पत्थर में धंसी जादुई तलवार हुई गायब, जमीन से 100 फीट ऊपर थी, आखिर कहां गई

**फ्रांस में 1,300 साल पुरानी तलवार का गायब होना चर्चा में है। इतने साल से ये तलवार एक चट्टान में धंसी हुई थी। इस तलवार पर किसी मौसम का कोई फर्क नहीं पड़ा लेकिन अब ये अचानक गायब हो गई है। इसके बाद पुलिस ने तलवार की संदिग्ध चोरी की जांच शुरू कर दी है।**

**पेरिसः** फ्रांस की प्राचीन तलवार 1300 साल के बाद अचानक गायब हो गई है। एक्सकैलिबर नाम की इस पौराणिक तलवार के दुनिया की सबसे तेज धार और कभी नष्ट ना होने वाली माना जाता है। यह तलवार 1300 वर्षों से ज्यादा समय से एक चट्टान में धंसी हुई थी। तलवार को किसने पत्थर से निकाला, इसकी कोई जानकारी अभी पुलिस को नहीं है। पुलिस इसलिए भी हैरान है क्योंकि तलवार जमीन से काफी ऊपर थी। पुलिस ने इसे चोरी का मानते हुए जांच शुरू कर दी है। ऐसा कहा जाता है कि ये तलवार एक वार में विशाल पत्थरों को भी काटने में सक्षम थी।

टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, इस डूरंडल तलवार को लोकप्रिय रूप से फ्रेंच एक्सकैलिबर के नाम से जाना जाता है। राजा आर्थर ने इस तसवार को पत्थर से निकाला था। किंवदंती के अनुसार, आठवीं शताब्दी में एक देवदूत ने रोमन सम्राट शारलेमेन को ये तलवार दी थी। 11वीं सदी की एक कविता इस तलवार की 'जादुई क्षमताओं' का बखान करती है, जो फ्रांसीसी साहित्य में काफी लोकप्रिय है। 'द सॉन्ग ऑफ रोलैंड' शीर्षक से लिखी गई कविता की एक प्रति ऑक्सफोर्ड में बोडलियन लाइब्रेरी में रखी गई है।

**शहर का मुख्य आकर्षण थी तलवार** जादुई तलवार और इससे जुड़ी किंवदंती फ्रांस के रोकैमडौर शहर के मुख्य आकर्षणों में से एक थी। इस तलवार के बारे में शहर में कई कहानियां हैं। इनमें से सबसे ज्यादा प्रचलित बात ये है कि राजा शारलेमेन ने अपने बहादुर सैनिक रोलैंड को ये जादुई तलवार तोहफे में दी थी। युद्ध में घायल होने और अपनी मौत निश्चित देख रोलेंड ने इस तलवार को नष्ट करने का प्रयास किया ताकि उसके दुश्मन इसका इस्तेमाल ना कर सकें लेकिन उसे तोड़ने में असमर्थ रहे। ऐसे में हताशा में उन्होंने तलवार हवा में फेंक दी और वह फ्रांसीसी शहर रोकामाडॉर में एक चट्टान पर जाकर धंस गई।

तलवार को देश दुनिया के लोग देखने आते थे और इसकी कहानियां सुनते थे। इस तलवार के अचानक गायब होने से स्थानीय लोग खासतौर से परेशान हैं, क्योंकि वो मानते हैं कि उनकी नियति इस पौराणिक तलवार से जुड़ी हुई है। शहर के मेयर डोमिनिक लेनफैंट ने एक फ्रांसीसी अखबार से कहा कि निश्चित ही हम डूरंडल को बहुत याद करेंगे। यह सदियों से रोकामाडॉर का हिस्सा रही है और शहर की पहचान की तरह थी। नगर निगम नहीं जनाब 'नरक' निगम कहिए, आरा में सालों से बह रहा सड़कों पर नाली का पानी पुलिस ने कहा कि प्राचीन तलवार का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अफसर इस बात से हैरान है कि कोई चट्टान पर 100 फीट ऊपर चढ़ने और तलवार निकालने में कैसे सक्षम हो गया। स्थानीय लोग तलवार के रहस्यमय तरीके से गायब होने पर कई तरह की बातें कर रहे हैं।

# खूबसूरत आउटफिट में दिखीं श्रद्धा कपूर, अनन्या पांडे और शिल्पा शेट्टी का ग्लैमरस लुक, प्रिंसेस लुक में पहुंचीं माधुरी





बीती रात हुए ब्यूटीफुल इंडियंस 2024 इवेंट में बॉलीवुड की ग्लैमरस एक्ट्रेसेस शामिल होने पहुंचीं। श्रद्धा कपूर खूबसूरत आउटफिट पहने पैपराजी के सामने पोज देती दिखाई दीं। पैप्स ने उनके आउटफिट की तारीफ की। वहीं माधुरी दीक्षित प्रिंसेस लुक में नजर आईं। इनके अलावा अनन्या पांडे, तमन्ना भाटिया, टाइगर श्रॉफ, शिल्पा शेट्टी और कार्तिक आर्यन समेत कई सेलेब्स नजर आए। इवेंट में शामिल हुए सभी सेलेब्स की आउटफिट पर एक नजर डालते हैं।

सीक्वेंस फ्रॉक पहनकर इवेंट में पहुंचीं श्रद्धा कपूर। श्रद्धा ने मैचिंग हील्स से अपना लुक कंप्लीट किया। उन्होंने गले में एक पतली डायमंड चेन भी पहनी थीं। सीक्वेंस फ्रॉक पहनकर इवेंट में पहुंचीं श्रद्धा कपूर। श्रद्धा ने मैचिंग हील्स से अपना लुक कंप्लीट किया। उन्होंने गले में एक पतली डायमंड चेन भी पहनी थीं। ब्लैक स्लीव्स की फुल व्हाइट प्रिंसेस आउटफिट में दिखीं माधुरी दीक्षित। ब्लैक स्लीव्स की फुल व्हाइट प्रिंसेस आउटफिट में दिखीं माधुरी दीक्षित। शिल्पा शेट्टी रेड स्टाइलिश गाउन पहने इवेंट में शामिल हुईं। अनन्या पांडे ब्राउन कटस्लीव वाली गाउन पहने दिखाई दीं। तमन्ना भाटिया बेबी पिंक कलर की हाई स्लिट ड्रेस पहने इवेंट में पहुंची थीं। इस लुक में वो बेहद खूबसूरत दिखाई दीं। तमन्ना भाटिया बेबी पिंक कलर की हाई स्लिट ड्रेस पहने इवेंट में पहुंची थीं। इस लुक में वो बेहद खूबसूरत दिखाई दीं। अवनीत कौर सी-ग्रीन कलर की डीप नेक गाउन पहने नजर आईं। उन्होंने अपने लुक को और खूबसूरत बनाने के लिए ब्रेड्स बनाई। नेवी ब्लू पर गोल्डन वर्क वाली गाउन में दिखीं जरीन खान। नेवी ब्लू पर गोल्डन वर्क वाली गाउन में दिखीं जरीन खान। रेड फ्लोरल ड्रेस पहने दिखीं करिश्मा कपूर। करिश्मा हाल ही में फिल्म 'मर्डर मुबारक' में नजर आई थीं। ऑल ब्लैक लुक में दिखे टाइगर श्रॉफ। टाइगर जल्द ही अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' में नजर आएंगे। ईशा मालवीय सिल्वर कलर की शिमरी ड्रेस पहने ब्यूटीफुल इंडियंस 2024 इवेंट का हिस्सा बनीं। सिल्वर ट्यूब गाउन पहने नजर आईं जैस्मीन भसीन। हुमा कुरैशी ब्लैक स्टाइलिश आउटफिट में दिखीं।

# एक रात में तैयार किया ऐश्वर्या का कॉस्ट्यूम:जूही चावला के लिए ढाई घंटे में बनाई ड्रेस; नीता लुल्ला बोलीं- ऋतिक को कपड़ों की अच्छी समझ

मुंबई

आपने देवदास, जोधा अकबर और मणिकर्णिका जैसी फिल्मों की भव्यता तो देखी ही होगी। इसे भव्य बनाने में फिल्म में यूज किए गए कॉस्ट्यूम्स का बहुत बड़ा रोल है। ऐश्वर्या राय बच्चन की भारी-भरकम साड़ी से लेकर माधुरी दीक्षित के वजनदार लहंगे को बनाने के पीछे सेलिब्रिटी कॉस्ट्यूम डिजाइनर और स्टाइलिस्ट नीता लुल्ला का हाथ है। नीता लुल्ला ने देवदास के लिए एक ही रात में ऐश्वर्या की साड़ी बना दी थी। इसके अलावा यश चोपड़ा की डिमांड पर सिर्फ ढाई घंटे के अंदर जूही चावला के लिए ड्रेस तैयार कर दी थी। नीता लुल्ला को उनके काम के लिए चार नेशनल अवॉर्ड भी मिले हैं।

रील टू रियल के इस एपिसोड में हम नीता लुल्ला से कॉस्ट्यूम डिजाइन की बारीकियों को समझेंगे। इन्होंने जिन फिल्मों के लिए काम किया है, उसकी बैकग्राउंड स्टोरी भी जानेंगे। स्टार्स के साथ इनकी ट्यूनिंग कैसी है, इस पर भी बात करेंगे। **देवदास के लिए तीन साड़ियों को मिलाकर एक ड्रेस बनाई थी** फिल्म देवदास में ऐश्वर्या और माधुरी दीक्षित के कपड़ों को डिजाइन करने का जिम्मा डायरेक्टर संजय लीला भंसाली ने नीता लुल्ला को दिया था। इस पर बात करते हुए नीता ने कहा, 'देवदास पर तीन फिल्में पहले ही बन चुकी थीं। संजय ने हमें वो तीनों फिल्में दिखाईं। मैंने उनसे कहा कि इन फिल्मों में जो कॉस्ट्यूम यूज किए गए हैं, वो काफी सिंपल है। संजय ने कहा कि उन्हें अपनी फिल्म को लार्जर दैन लाइफ दिखाना है, इसके लिए एक्टर्स के कॉस्ट्यूम को जितना हो सके, रिच दिखाओ। फिर मैंने कहा कि यह फिल्म बंगाली बैकग्राउंड पर बेस्ड होगी और बंगाल में साड़ियों की लेंथ 5 मीटर ही होती है। मैंने तीन साड़ियां मिलाकर एक साड़ी बनाई। मतलब एक ड्रेस बनाने के लिए मैंने तीन-तीन कपड़ों का इस्तेमाल किया। आप देखेंगे कि ऐश्वर्या और माधुरी ने देवदास में जितने भी ड्रेसेस पहने हैं, वो सारी दो-तीन साड़ियों को काट कर बनाई गई हैं। देवदास के वक्त पहली बार ऐसा हुआ कि कॉस्ट्यूम डिजाइनर को भी एक असिस्टेंट मिला हुआ था।'

**जोधा अकबर में खास तरह की कढ़ाई वाला ड्रेस तैयार किया गया था** जोधा अकबर के वक्त भी डायरेक्टर आशुतोष गोवारिकर ने कॉस्ट्यूम डिजाइन का पूरा जिम्मा नीता लुल्ला को दे दिया था। फिल्म में कैसा कॉस्ट्यूम देना है, इसके लिए नीता ने आर्ट डायरेक्टर से लेकर कैमरा मैन तक से बात की थी।

नीता कहती हैं, 'जोधा अकबर के लीड कैमरा मैन किरण देवहंस नेचुरल लाइटिंग में शूट करना चाहते हैं। नेचुरल लाइट में सिल्क का कपड़ा बहुत चमकता है, इससे पार पाना मेरे लिए एक चैलेंज की तरह था। इसके लिए मैंने एक स्पेशल जरदोजी वर्क की कढ़ाई वाला कपड़ा तैयार किया। यह एक्सपेरिमेंट सफल रहा। इस तरह करके मैंने कॉस्ट्यूम डिजाइन में भी कई टेक्नीक डेवलप किए हैं।' जरदोजी फारसी और उर्दू शब्द है। यह एक प्रकार की कढ़ाई होती है, जो भारत और पाकिस्तान में काफी ज्यादा प्रचलित है। फिल्म जोधा अकबर में ऐश्वर्या का एक सीन। इसमें ऐश्वर्या ने जो साड़ी पहनी है, उसे नीता ने ही डिजाइन किया है। फिल्म जोधा अकबर में ऐश्वर्या का एक सीन। इसमें ऐश्वर्या ने जो साड़ी पहनी है, उसे नीता ने ही डिजाइन किया है। **ऋतिक रोशन को ड्रेसिंग की बहुत अच्छी समझ** नीता लुल्ला ने कहा कि कुछ एक्टर्स ऐसे भी हैं, जिन्हें ड्रेसिंग की बहुत अच्छी समझ है। इनमें ऋतिक रोशन का भी एक नाम है। नीता ने कहा, 'अगर ऋतिक के कपड़ों की थोड़ी भी गलत सिलाई हुई, उन्हें तुरंत पता चल जाता है। वो मुझसे इसकी शिकायत भी करते हैं। मैं जब चेक करती हूं तो उनकी बात सच निकलती है। इसके अलावा आमिर खान को भी फैशन की अच्छी समझ है। वो भी इन बारीकियों को समझते हैं।'

कॉस्ट्यूम पर हुए खर्चे की बात करें तो 2000 से लेकर 2010 के बीच में जितनी फिल्में बनी हैं, उनमें जोधा अकबर सबसे महंगे बजट की फिल्म है। फिल्म रूप की रानी चोरों का राजा के कॉस्ट्यूम्स पर काफी पैसे लगे थे नीता लुल्ला का दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी से बहुत अच्छा संबंध था। श्रीदेवी उन्हें कपड़ों के बारे में बहुत अच्छी जानकारी देती थीं। नीता ने कहा, 'श्रीदेवी जी को यह भी पता रहता था कि व्हाइट कलर में कितने शेड्स होते हैं। उन्हें फैशन और फैब्रिक की बहुत अच्छी जानकारी थी। उनकी फिल्म रूप की रानी चोरों का राजा में कॉस्ट्यूम पर काफी ज्यादा पैसे खर्च किए गए थे। कॉस्ट्यूम्स के मामले में यह 90 के दशक की सबसे महंगी फिल्म थी।'

**देवदास के लिए एक रात में तैयार हुए कॉस्ट्यूम्स** कपड़े डिजाइन करने में कितना वक्त लगता है? जवाब में नीता ने कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री कभी आपको ज्यादा समय नहीं देती। आपको यकीन नहीं होगा, लेकिन देवदास के लास्ट सीन में जहां ऐश्वर्या की साड़ी जलती है, उसे हमने एक रात में बना दिया था। इस सीन में ऐश्वर्या ने जो साड़ी पहनी है, उसे कई साड़ियों को मिलाकर बनाया गया था। इस सीन में ऐश्वर्या ने जो साड़ी पहनी है, उसे कई साड़ियों को मिलाकर बनाया गया था। ऐसे ही डर में जूही चावला का तांडव डांस वाले सीन के लिए ड्रेस डिजाइन करना था। यश चोपड़ा जी का मेरे पास अर्जेंट कॉल आया। उन्होंने मुझसे कहा कि शूट का आखिरी दिन है और आपके पास सिर्फ ढाई घंटे हैं, आप कैसे भी करके ड्रेस डिजाइन करके दीजिए। मैंने तुरंत अपने वर्कशॉप पर फोन किया और टेलर मास्टर को काम शुरू करने का निर्देश दिया। रास्ते से मैंने कुछ शिफॉन के कपड़े उठा लिए। इस तरह हमने तय समय में यश जी को वो ड्रेस मुहैया करा दी।' **देवदास के बाद लड़कियों में साड़ी पहनने का चलन शुरू हुआ** नीता ने कहा कि देवदास के बाद उनके पास कई लड़कियों के लेटर्स आए थे। चूंकि उस वक्त फोन का उतना एक्सेस नहीं था। नीता ने कहा, '2000 के आस-पास मानसिकता थी कि साड़ी सिर्फ औरतें ही पहनती हैं। कांजीवरम और धर्मावरम की साड़ियों को 'मम्मी साड़ी' की संज्ञा दी जाती थी। मुझे यह देख कर अजीब लगता था। मैं हैदराबाद से हूं, वहां कांजीवरम और धर्मावरम साड़ियां बहुतायत संख्या में बनती हैं। इन्हें बनाने में हाथ का सबसे ज्यादा प्रयोग होता है। इन्हें दोबारा फैशन में लाने के लिए मैंने पैठनी और कांजीवरम के लिए प्रयोग होने वाले धागों से वेस्टर्न ड्रेसेज बनाने शुरू किए।

हालांकि, सबसे बड़ा बदलाव देवदास आने के बाद हुआ। मानसिकता थोड़ी बदलने लगी। लड़कियां मुझे लेटर में लिखतीं कि देवदास देखने के बाद वे भी अपनी मां और दादी की पुरानी साड़ियों को निकालकर पहनने लगीं। ऐसे यह मिथ टूट गया कि साड़ी सिर्फ औरतें ही पहनती हैं।'

माधुरी और ऐश्वर्या दोनों के कॉस्ट्यूम्स को बनाने के पीछे नीता की कई महीनों की मेहनत थी। **लोगों ने कॉस्ट्यूम डिजाइन को सीरियसली लेना शुरू किया** नीता लुल्ला के मुताबिक, 'हम दिल दे चुके सनम' के बाद लोगों ने फिल्मों में यूज होने वाले कॉस्ट्यूम पर भी चर्चा करनी शुरू की। लोगों को हीरो- हीरोइन के कपड़ों में इंटरेस्ट आना शुरू हुआ। फिल्म फेयर और स्टारडस्ट जैसी फिल्मी मैगजीन ने भी कॉस्ट्यूम के बारे में लिखना शुरू कर दिया।'

**कॉस्ट्यूम डिजाइन करते वक्त नीता क्या ध्यान देती हैं**? नीता लुल्ला ने कहा, 'मैं सबसे पहले उस कैरेक्टर के बारे में सोचती हूं। मान लीजिए पुराने समय के किसी राजा का किरदार है, तो मैं पहले रिसर्च करती हूं कि वो राजा अपने समय में क्या पहनता होगा। फिर इसके हिसाब से एक स्केच बनाती हूं। स्केच के हिसाब से ड्रेस डिजाइन करती हूं। इसके बाद एक्टर्स की भी राय लेनी पड़ती है। उन्हें किस टाइप के कपड़े चाहिए। कौन सा कपड़ा उनके लिए कंफर्टेबल होगा, ये सारी चीजें उनसे पूछनी पड़ती हैं।'

**नीता मेल कॉस्ट्यूम भी डिजाइन करती हैं। इसमें दिख रही ड्रेस साउथ स्टार पवन कल्याण के लिए बनाई गई थी**। नीता के डिजाइन किए कपड़ों में मेक इन इंडिया की भी झलक देखने को मिलती है। नीता चाहती हैं कि हाथ से बनने वाले कपड़ों को ज्यादा से ज्यादा महत्व मिले। उन्होंने कहा, 'हाथ से बनने वाले कपड़े धीरे-धीरे समाप्त हो रहे हैं। जो हमारे बुनकर हैं, उनकी अच्छी कमाई नहीं हो पा रही है। वे अपने बच्चों को भी इस फील्ड में भेजने से कतरा रहे हैं। हमें कैसे भी करके उनके टैलेंट को वेस्ट होने से बचाना होगा। हस्तशिल्प हमारे देश की पहचान है। यह किसी भी दशा में खत्म नहीं होनी चाहिए।' नीता के स्टोर पर हाथ से बनाए कपड़े भी देखने को मिलेंगे। नीता ने कहा कि उन्हें बुनकरों के साथ काम करना सबसे अच्छा लगता है।

**हॉलीवुड फिल्मों के लिए भी कॉस्ट्यूम डिजाइन कर चुकी हैं नीता**

नीता ने 4-5 हॉलीवुड फिल्मों के लिए भी कॉस्ट्यूम डिजाइन का काम किया है। हॉलीवुड में कॉस्ट्यूम डिजाइनर को एक टेक्नीशियन के तौर पर ज्यादा देखा जाता है। नीता ने कहा कि हॉलीवुड में कॉस्ट्यूम डिजाइनर और एक्टर्स के बीच बातचीत नहीं होती। नीता ने कहा, 'मैंने जब भी हॉलीवुड फिल्मों के लिए काम किया है, हमेशा डायरेक्टर के साथ क्राफ्ट पर चर्चा करती हूं। ड्रेसेस कौन से होंगे, इसका डिसीजन डायरेक्टर ही लेता है। एक्टर्स का इसमें कोई रोल नहीं होता है।' ऑस्कर अवॉर्ड्स में ज्यूरी मेंबर के तौर पर आपका रोल क्या है? जवाब में नीता ने कहा, 'मुझे बहुत सारी फिल्में देखनी पड़ती हैं। इन्हें जज करना पड़ता है। अब ज्यूरी के अलावा मुझे एक और रोल दे दिया गया है। म्यूजियम में कौन से कपड़े रखने हैं, इसके सिलेक्शन के लिए मुझे इंटरनल कमेटी का मेंबर बनाया गया है।' नीता फैशन और कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग का कोर्स भी कराती हैं। इनकी टीम में 100 लोग काम करते हैं। ऑर्डर पर एक्सक्लूसिव ड्रेसेस डिजाइन करती हैं नीता नीता लुल्ला के यहां ड्रेसेस के तीन रेंज रखे गए हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे यहां तीन तरह के रेंज हैं। आप ऑर्डर देकर ड्रेस बनवा सकते हैं। ये ऐसे कपड़ों के बने होंगे जो आपको किसी दूसरी जगह नहीं मिलेंगे। दूसरी रेंज ऐसी है, जिसे आसानी से अफोर्ड किया जा सकता है। बाकी तीसरी रेंज बच्चों के लिए है।

# ठगी का शिकार हो चुकी हैं सरगुन मेहता: बोलीं- काम ना मिलने पर कई रातें रोकर, खराब खाना खाकर बितानी पड़ी

एक्ट्रेस सरगुन मेहता इन दिनों अपनी फिल्म 'जट नू चुड़ैल टाकरी' को लेकर चर्चा में हैं। इसी दौरान उन्होंने अपने करियर के शुरुआती दिनों को लेकर दैनिक भास्कर से खास बातचीत की। उन्होंने खुलासा किया कि वो बचपन से ही शाहरुख खान के साथ काम करने का सपना देखती रही हैं। इतना ही नहीं उन्होंने अपने करियर के बीच में आने वाली मुश्किलों पर बात करते हुए कहा कि जब वो बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू कर रही थीं, तब उनके साथ धोखाधड़ी हुई थी। सरगुन ने अपने करियर के शुरुआती दिनों के बारे में भी बात की।

सरगुन का बचपन चंडीगढ़ में बीता। वहीं से अपनी स्कूल की पढ़ाई करने के बाद सरगुन ने दिल्ली से अपना कॉलेज कंप्लीट किया। उन्होंने कॉलेज के साथ-साथ थिएटर भी जॉइन किया। 2009 में सरगुन ने टीवी में डेब्यू किया था। उनके पहले शो का नाम '12/24 करोल बाग' था। उन्होंने बताया कि दिल्ली में ही इस शो का ऑडिशन चल रहा था। सरगुन ने ऑडिशन दिया और वो सिलेक्ट हो गईं। कई साल टीवी में काम करने के बाद 2015 में सरगुन ने पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा।

**पंजाबी इंडस्ट्री में शुरुआत करने के लिए सरगुन ने टीवी छोड़ दिया था**। सरगुन को एक्टिंग में कुछ खास इंटरेस्ट नहीं था। उन्होंने कहा कि मेरे परिवार में किसी का भी इंडस्ट्री से दूर-दूर तक कोई वास्ता नहीं था। थिएटर करते समय उन्होंने कई बार एक्टिंग छोड़ने के बारे में भी सोचा था। सरगुन का मानना है कि उनकी किस्मत उन्हें यहां तक लेकर आई है।

सरगुन को 2 साल थिएटर करने के बाद टीवी में काम मिला। उनका कहना है कि बेशक थिएटर से उनका बेस मजबूत हुआ है। लेकिन एक्टिंग उन्होंने टीवी में काम करते हुए सीखी है।

सरगुन एक्ट्रेस होने के साथ-साथ बहुत अच्छी डांसर भी हैं। शाहरुख के साथ काम करना लाइफ का सबसे बड़ा सपना है सरगुन का बचपन का सपना है कि वो शाहरुख के साथ काम करें। उन्होंने कहा- मैं हर दिन शिद्दत से यही दुआ मांगती हूं। बाकी कायनात अपना काम कर रही है। मुझे उम्मीद है कि कायनात जल्द ही मेरा सपना पूरा करेगी। सरगुन ने अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'कठपुतली' में काम किया था। उनके साथ काम करने को लेकर सरगुन ने बताया कि वो अक्षय के साथ काम करने में थोड़ा नर्वस थीं। उन्होंने बताया कि अक्षय ने उन्हें ऐसा फील नहीं कराया कि वो फिल्म इंडस्ट्री से नहीं हैं। अक्षय के साथ काम करने का उनका एक्सपीरियंस बहुत अच्छा रहा है। उन्होंने बताया कि अक्षय का एक नियम है कि वो सबके साथ ही बैठकर खाना खाते हैं। वो सेट का माहौल बहुत मजेदार बनाकर रखते हैं।

अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'कठपुतली' में सरगुन नजर आई थीं। सरगुन बताती हैं कि शूटिंग के दौरान वो जब भी सुबह जिम जाती थीं, अक्षय हमेशा उनसे पहले जिम में पहुंचे होते थे। उनका कहना है कि अक्षय सबसे पहले सोकर उठ जाते थे। अक्षय समय को लेकर बहुत पाबंद हैं। उन्होंने बताया कि अक्षय की वजह से सेट पर मेरा काम करना बहुत आसान हो गया था। सरगुन की लाइफ में भी कई बार ब्रेक डाउन मोमेंट्स आए हैं। उन्होंने बताया कि एक एक्टर की लाइफ बहुत अनसर्टेन होती है। सरगुन की लाइफ में भी ऐसे बहुत से मोमेंट आए थे, जब वो बहुत रोती थीं। कई बार तो उन्होंने खुद को कमरे में बंद कर लिया। बुरे दिनों में अच्छा खाना खाने को भी नहीं मिलता था। लेकिन सरगुन के साथ उनकी हिम्मत बनकर रवि हमेशा मौजूद रहे हैं। उन्होंने कहा- हम दोनों हमेशा एक दूसरे की हिम्मत बनकर खड़े रहे हैं।

# सारा अली खान को ट्रोलर्स से फर्क नहीं पड़ता:बोलीं- मेरा जन्म सेक्युलर फैमिली में हुआ है, सफाई देना जरूरी नहीं समझती

सारा अली खान को धार्मिक टिप्पणी से कोई फर्क नहीं पड़ता। सारा ने कहा कि उनका जन्म सेक्युलर फैमिली में हुआ है। वो सारे धर्मों का सम्मान करती हैं। अगर कोई उनकी धार्मिक स्वतंत्रता पर सवाल उठाता है तो वो ऐसे लोगों को तवज्जो नहीं देतीं। सारा ने यह भी कहा कि उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि कोई उनके खान सरनेम को लेकर सवाल क्यों उठाता है। सारा का कहना है कि वो बेवजह के कॉमेंट्स करने से बचती हैं। हालांकि उनके सामने कोई अन्याय होगा तो वो इसे सहेंगी भी नहीं। बता दें, सारा अली खान कई बार मंदिर में जाने के लिए कट्टरपंथियों के निशाने पर रहती हैं।

**मैं जवाब देना जरूरी नहीं समझती** सारा अली खान ने Galatta India से कहा- मेरा जन्म एक लोकतांत्रिक और संगठ देश के अंतर्गत आने वाले सेक्युलर फैमिली में हुआ है। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि कोई मेरी धार्मिक मान्यता के बारे में क्या सोचता है। मैं उन्हें जवाब देना भी जरूरी नहीं समझती। मैं बिना मतलब का इश्यू भी नहीं बनाती।

**फिल्में नहीं चलती सिर्फ तब ही बुरा लगता है** सारा ने कहा कि उन्हें बुरा तब लगता है, जब उनकी फिल्में नहीं चलतीं। जब लोगों को उनका काम पसंद नहीं आता। सारा ने कहा- मेरे खाने-पीने, घूमने-फिरने या फिर मेरे रीलियस बिलीफ का संबंध सिर्फ मुझसे है। मैं क्या करती हूं, कहां जाती हूं, यह मेरा खुद का फैसला है। मैं इसके लिए कभी किसी के सामने सफाई देने नहीं जाऊंगी।

**कई बार कट्टरपंथियों के निशाने पर आईं सारा** सारा अली खान कई बार कट्टरपंथियों के निशाने पर रही हैं।

# पहले पति के दोस्त से हुआ प्यार, अब दूसरे पति के दोस्त से लगा बैठी दिल... खिलाड़ी संग बेवफाई की अनोखी दास्तां

**अर्जेंटीना के फुटबॉलर माउरो इकार्डी और उनकी पत्नी वांडा नारा के बीच तलाक हो रहा है। इकार्डी का दावा है कि नारा का उनके साथी खिलाड़ी कीता बाल्डे के साथ अफेयर था। 2014 में इकार्डी और नारा की शादी हुई थी। उससे पहले नारा इकार्डी की टीममेट और दोस्त की पत्नी थी।**

**नई दिल्ली:** कहते हैं सच्चा प्यार जिंदगी में एक बार ही होता है, लेकिन यकीन मानिए यह हर किसी पर लागू नहीं होता। इसका जीता जागता उदाहरण तब देखने को मिला, जब एक खिलाड़ी की बीवी ने उसी की टीम के एक खिलाड़ी के लिए उसे धोखा दिया और छोड़कर दूसरे से शादी की। अब रोचक बात यह है कि अब उस महिला को मौजूदा पति के टीम में शामिल किसी और खिलाड़ी से प्यार हुआ और उसने उसे छोड़ने का फैसला किया, तलाक का मामला कोर्ट में शुरू हो चुका है। है ना थोड़ी फिल्मी कहानी। चलिए अब पूरे मामले को थोड़ा विस्तार से समझते हैं। दरअसल, अर्जेंटीना के फुटबॉलर माउरो इकार्डी और उनकी पत्नी वांडा नारा के बीच तलाक हो रहा है। 2014 में इनकी शादी हुई थी। 2019 से तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा है। दोनों बेटियों फ्रांसेस्का और इसाबेला की कस्टडी के लिए लड़ रहे हैं। इकार्डी ने नारा पर बेवफाई का आरोप लगाया है। इकार्डी के अनुसार नारा का उनके साथी खिलाड़ी के साथ संबंध था। यहां रोचक बात यह है कि इकार्डी ने 2014 में अपने दोस्त और टीममेंट को धोखा देकर ही वांडा नारा से शादी की थी। **कीता बाल्दे के साथ अफेयर का आरोप** माउरो इकार्डी ने कोर्ट में ऐसे मैसेज पेश किए जिनसे कथित तौर पर नारा की बेवफाई साबित होती है। उनका दावा है कि नारा का उनके पूर्व टीम के साथी कीता बाल्डे के साथ संबंध था। यह तब हुआ जब दोनों इंटर मिलान में थे। कीता बाल्दे सेनेगल के लिए इंटरनेशनल फुटबॉल खेलते हैं। कीता बाल्दे की पूर्व पत्नी सिमोना गुआटिएरी ने भी पुष्टि की कि उनके पति का वांडा नारा के साथ अफेयर था। सपना सच होने जैसी थी शादी, 2 ही महीने बाद आया कहानी में ट्विस्ट उन्होंने कहा- मैंने मई 2022 में कीता बाल्डे से शादी की और यह एक सपने जैसा था। लेकिन दो महीने बाद सब खत्म हो गया। इकार्डी ने मुझे बताया कि उसकी पत्नी कीता बाल्डे के साथ थी और घर के कैमरे ने सबूत कैद कर लिए। गुआटिएरी ने यह भी कहा कि वांडा ने दुबई में रहते हुए बाल्डे के साथ अपनी फोटो मुझे भेजी। उन्होंने कहा- एक महिला जो मेरे पति के साथ सोई और फिर उसने मुझे ये फोटो भेजीं। मुझे नहीं पता कि क्या कहना है। मैं और विवरण नहीं बताऊंगी। यह बहुत भयानक है।' **पहले पति और इकार्डी थे टीममेट** रोचक बात यह है कि वांडा नारा ने 2008 में अर्जेंटीना का फुटबॉलर मैक्सी लोपेज से शादी की थी। पहली शादी से उनके तीन बच्चे थे। लोपेज और इकार्डी इटली के क्लब सैम्पडोरिया के लिए खेलते थे। दोनों काफी अच्छी दोस्त थे। तभी इकार्डी और नारा का अफेयर हो गया। जल्द ही इकार्डी इंटर मिलान पहुंच गए। दिसंबर 2013 में नारा ने लोपेज को तलाक दिया। अप्रैल 2014 में सैम्पडोरिया और इंटर के बीच सीरी ए मैच के दौरान लोपेज ने इकार्डी से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया, इसे मीडिया में 'वांडा डर्बी' नाम दिया। मई 2014 में इकार्डी से शादी कर ली।

# प्लेइंग-11, ड्रेसिंग रूम बवाल, रोहित शर्मा... सिडनी टेस्ट से पहले गौतम गंभीर की प्रेस कॉन्फ्रेंस की 5 बड़ी बातें




**ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट से ठीक पहले हेड कोच गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने इस दौरान ड्रेसिंग रूम को लेकर आ रही खबरों सहित तमाम मुद्दों पर बातें कीं। यही नहीं, यह भी बताया कि क्यों रोहित शर्मा प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं आए।**

**सिडनी:** भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया से सिडनी में आखिरी टेस्ट खेलना है। इससे पहले भारतीय खेमे से आनी वाली खबरें थोड़ी निराश करने वाली हैं। मैच से पहले टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर प्रेस कॉन्फ्रेंस करने आए। उन्होंने प्लेइंग-11 से लेकर ड्रेसिंग रूम में हुई बहस तक पर खुलकर बात की। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि ड्रेसिंग रूम की 'बहस' सार्वजनिक नहीं होनी चाहिए और उन्होंने खिलाड़ियों से 'ईमानदारी' से बातचीत की क्योंकि प्रदर्शन ही उन्हें टीम में बनाए रख सकता है।

**रोहित शर्मा प्लेइंग-11 में होंगे शामिल?**

गंभीर ने इन सवालों को भी दरकिनार किया कि खराब फॉर्म से जूझ रहे कप्तान रोहित शर्मा को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे पांचवें और आखिरी टेस्ट के लिए अंतिम एकादश में जगह मिलेगी या नहीं। गंभीर ने यह बताने से इनकार किया कि रोहित को टीम में जगह मिलेगी या नहीं। उनसे पूछा गया था कि मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कप्तान क्यों नहीं आए, जबकि आम तौर पर कप्तान ही आते हैं और क्या वह अंतिम एकादश में होंगे। गंभीर ने कहा, 'रोहित ठीक हैं। मुख्य कोच यहां है और यह काफी होना चाहिए। पिच को देखने के बाद अंतिम एकादश पर फैसला लेंगे।' **ड्रेसिंग रूम में बवाल, टीम में सबकुछ ठीक नहीं?** ड्रेसिंग रूम में तनाव की रिपोर्ट के बीच गंभीर ने कहा कि वे सिर्फ रिपोर्ट हैं, सच नहीं। गंभीर ने से पहले कहा, 'कोच और खिलाड़ी के बीच की बात ड्रेसिंग रूम में ही रहनी चाहिए। तल्ख शब्द। ये सिर्फ रिपोर्ट हैं , सच नहीं।' उन्होंने कहा, 'जब तक ईमानदार लोग ड्रेसिंग रूम में हैं, भारतीय क्रिकेट सुरक्षित हाथों में है। आपको एक ही चीज ड्रेसिंग रूम में रख सकती है और वह है प्रदर्शन।' उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से बात कही गई और ईमानदारी महत्वपूर्ण है।' गंभीर ने यह भी कहा कि उन्होंने सीनियर बल्लेबाज विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा से टेस्ट मैच जीतने की रणनीति के अलावा कोई बात नहीं की। उन्होंने कहा, 'हर खिलाड़ी को पता है कि उसे कहां सुधार करना है। हमने उनसे एक ही बात की है कि टेस्ट मैच कैसे जीतने हैं।' **आकाश दीप की चोट पर क्या है अपडेट?** गंभीर ने यह भी पुष्टि की कि तेज गेंदबाज आकाश दीप कमर में जकड़न के कारण आखिरी टेस्ट नहीं खेलेंगे हालांकि उन्होंने विकल्प का खुलासा नहीं किया। आकाश ने ब्रिसबेन और मेलबर्न में दो टेस्ट खेलकर पांच विकेट लिए हैं। वह बदकिस्मत रहे कि उनकी गेंदबाजी के दौरान दोनों मैचों में कैच छूटे। भारतीय कोच गौतम गंभीर ने कहा, 'आकाश दीप कमर की तकलीफ के कारण बाहर है।' आकाश दीप ने दो टेस्ट में 87.5 ओवर फेंके और अधिक कार्यभार भी उनकी चोट का कारण हो सकता है। ऑस्ट्रेलियाई मैदानों पर तेज गेंदबाजों को घुटने, टखने और कमर के मसले आते हैं। आकाश दीप की जगह हर्षित राणा या प्रसिद्ध कृष्णा खेल सकते हैं।

# ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कैसा है सिडनी में टीम इंडिया का रिकॉर्ड, एक बार इन आंकड़ों को देख लीजिए

***भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला 3 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। सिडनी में टीम इंडिया का यह 14वां टेस्ट मैच होगा। ऐसे में आइए जानते हैं इस मैदान पर कैसा है टीम इंडिया का टेस्ट क्रिकेट में रिकॉर्ड।***

***सिडनी:*** *बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का आखिरी टेस्ट मैच 3 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। सीरीज में अब तक कुल 4 मैच खेले जा चुके हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने 2-1 की बढ़त बना ली है। मेजबान टीम ने एडिलेड और मेलबर्न में जीत हासिल की थी। वहीं भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पर्थ में हराया था जबकि ब्रिस्बेन टेस्ट मैच ड्रॉ रहा। ऐसे में अब सिडनी टेस्ट टीम इंडिया के लिए करो या मरो का हो गया है। टीम इंडिया अगर यह मैच हार जाती है तो ऑस्ट्रेलिया बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में चैंपियन बन जाएगी। ऐसे में आइए जानते हैं सिडनी में कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड। सिडनी में भारतीय टीम के रिकॉर्ड की बात करें तो वह बहुत ही खराब रहा है। इस मैदान पर टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 13 टेस्ट खेल चुकी है। इन 13 मुकाबलों भारतीय टीम को सिर्फ 1 मैच में जीत हासिल हो पाई। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम की बात करें तो सिडनी में उसने 5 मैचों में जीत हासिल जबकि दोनों टीमों के बीच यहां 7 टेस्ट मैच ड्रॉ रहे हैं। क्या कप्तान रोहित शर्मा को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेना चाहिए? भारतीय टीम को हर हाल में चाहिए जीत ऐसे में टीम इंडिया को सिडनी में हर हाल में जीत की जरूरत है। ना सिर्फ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में चैंपियन बनने के लिए बल्कि सिडनी में अपने टेस्ट रिकॉर्ड को बेहतर करने के लिए भी टीम इंडिया को यहां पर जीत हासिल करनी होगी। हालांकि, भारतीय टीम के लिए सिडनी में ऑस्ट्रेलिया को हराना काफी मुश्किल होने वाला है।*

# सिडनी में लाल गेंद से खेला जाएगा 'पिंक' टेस्ट मैच, जानें क्या है इसके पीछे का कारण



**भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पांचवा और अंतिम टेस्ट मैच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। सिडनी में खेला जाने वाला यह मुकाबला पिंक होगा। हालांकि, ये डे-नाइट नहीं बल्कि ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता को बढ़ाने के लिए पिंक टेस्ट मैच का आयोजन किया जाएगा।**

**सिडनी:** भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला सिडनी में खेला जाएगा। मैच की शुरुआत 3 जनवरी से हो रही है। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला काफी खास होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इस टेस्ट मैच में सब गुलाबी-गुलाबी देखने को मिलेगा। यही कारण है कि इसे पिंक टेस्ट मैच भी कहा जा रहा है। हालांकि, यह मुकाबला लाल गेंद और दिन में ही खेला जाएगा। ऐसे में आइए जानते हैं सिडनी में क्यों खेला जाएगा पिंक टेस्ट मैच।

दरअसल पिंक टेस्ट मैच एक खास मकसद के लिए खेला जाता है। यह मैच ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता के लिए खेला जाता है। इसकी शुरुआत 2009 में हुई थी। पिंक टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा की वाइफ जेन मैक्ग्रा की याद में खेला जाता है। मैक्ग्रा की वाइफ का साल 2008 में ब्रेस्ट कैंसर के कारण निधन हो गया था।

**मैक्ग्रा फाउंडेशन को जाएगा टिकट का पैसा** बता दें कि ग्लेन मैक्ग्रा ने अपनी पत्नी की याद में मैक्ग्रा फाउंडेशन की शुरुआत की थी। इस फाउंडेशन का काम ब्रेस्ट कैंसर से बचने के लिए जागरूकता फैलाती है और फंडिंग भी करती है। यही कारण है कि साल 2009 के बाद से जब भी पिंक टेस्ट मैच खेला जाता है उसकी सारी कमाई इस फाउंडेशन को जाता है। मैच के लिए जो भी टिकट बेचे जाते हैं उसकी रकम मैक्ग्रा फाउंडेशन को जाती है।

पिंक टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का रिकॉर्ड शानदार है। ऑस्ट्रेलियाई टीम साल 2009 से लेकर अब अलग-अलग टीमों के साथ कुल 16 पिंक टेस्ट मैच खेल चुकी है। इसमें कंगारू टीम का रिकॉर्ड बहुत ही जबरदस्त है। ऑस्ट्रेलिया अब तक कुल 16 पिंक टेस्ट मैच खेल चुकी है। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने 9 टेस्ट में जीत हासिल की है। वहीं 6 मैच ड्रॉ रहे हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया सिर्फ 1 पिंक टेस्ट मैच में हारी है।

# श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को तीसरे टी-20 में हराया:कीवियों ने 2-1 से जीती सीरीज, कुसल परेरा की सेंचुरी, असलंका को 3 विकेट



**नेल्सन** श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की टी-20 सीरीज के आखिरी मुकाबले में 7 रन की रोमांचक जीत हासिल की है। इस जीत के साथ श्रीलंकाई टीम ने खुद को क्लीन स्वीप से बचा लिया है, हालांकि चरिथ असलंका की कप्तानी वाली टीम ने यह सीरीज 2-1 से गंवा दी है। गुरुवार को नेल्सन में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। श्रीलंका ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 218 रन का स्कोर बनाया। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम तय 20 ओवर में 7 विकेट पर 211 रन तक ही पहुंच सकी। कुसल परेरा प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 46 गेंद पर 101 रन की पारी खेली। जबकि जैकब डफी को प्लेयर ऑफ सीरीज चुना गया। डफी ने 8 विकेट चटकाए हैं।

**जीत के बाद ट्रॉफी के साथ न्यूजीलैंड टीम के खिलाड़ी।** श्रीलंका की खराब शुरुआत, पावरप्ले में 2 विकेट गंवाए टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। टीम पावरप्ले के 6 ओवर में 49 रन बनाने में 2 विकेट गंवा दिए थे। पारी के तीसरे ओवर में मैट हेनरी ने पथुम निसांका को पवेलियन भेजा, जबकि 5वें ओवर की आखिरी बॉल पर मिचेल सैंटनर ने कुसल मेंडिस को माइकल ब्रेसवेल के हाथों कैच कराया। निसांका 14 और मेंडिस 22 रन बनाकर आउट हुए।

**परेरा-असलंका की शतकीय साझेदारी** मिडिल ओवर में 83 रन के स्कोर पर तीसरा विकेट गंवाने के बाद कुसल परेरा (101 रन) ने कप्तान चरिथ असलंका (46 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। दोनों ने 45 बॉल पर 100 रन जोड़े। उन्होंने तीसरे विकेट पर फर्नांडो के साथ 41 रन की साझेदारी की थी। इस साझेदारी को जैकब डफी ने तोड़ा। उन्होंने फर्नांडो (17 रन) को LBW किया। **न्यूजीलैंड की मजबूत शुरुआत, रचिन रवींद्र की फिफ्टी** 219 रन का टारगेट चेज कर रही न्यूजीलैंड की टीम ने मजबूत शुरुआत की। टिम रॉबिंसन और रचिन रवींद्र ने 45 बॉल पर 81 रनों की ओपनिंग साझेदारी की। टीम ने पावरप्ले के 6 ओवर में बिना नुकसान के 63 रन बना लिए थे। ओपनिंग साझेदारी को अविष्का फर्नांडो ने तोड़ा। उन्होंने रॉबिन्सन को सब्स्टिट्यूट फील्डर कमिंडु मेंडिस के हाथों कैच कराया। रचिन रवींद्र ने 39 बॉल पर 69 रनों की पारी खेली। **कीवियों का मिडिल ऑर्डर फेल रहा** कीवी टीम का मिडिल ऑर्डर फेल रहा। बल्लेबाज मजबूत शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके। एक समय टीम ने 8 ओवर में 85 रन बना लिए थे और एक विकेट ही गंवाया था। लेकिन टीम यहां से विकेट गंवाती चली गई। टीम ने आखिरी 5 ओवर में 43 रन ही बनाए।

# श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को तीसरे टी-20 में हराया: कीवियों ने 2-1 से जीती सीरीज, कुसल परेरा की सेंचुरी



**नेल्सन** श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की टी-20 सीरीज के आखिरी मुकाबले में 7 रन की रोमांचक जीत हासिल की है। इस जीत के साथ श्रीलंकाई टीम ने खुद को क्लीन स्वीप से बचा लिया है, हालांकि चरिथ असलंका की कप्तानी वाली टीम ने यह सीरीज 2-1 से गंवा दी है। गुरुवार को नेल्सन में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। श्रीलंका ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 218 रन का स्कोर बनाया। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम तय 20 ओवर में 7 विकेट पर 211 रन तक ही पहुंच सकी। कुसल परेरा प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 46 गेंद पर 101 रन की पारी खेली। जबकि जैकब डफी को प्लेयर ऑफ सीरीज चुना गया। डफी ने 8 विकेट चटकाए हैं। **श्रीलंका की खराब शुरुआत, पावरप्ले में 2 विकेट गंवाए** टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। टीम पावरप्ले के 6 ओवर में 49 रन बनाने में 2 विकेट गंवा दिए थे। पारी के तीसरे ओवर में मैट हेनरी ने पथुम निसांका को पवेलियन भेजा, जबकि 5वें ओवर की आखिरी बॉल पर मिचेल सैंटनर ने कुसल मेंडिस को माइकल ब्रेसवेल के हाथों कैच कराया। निसांका 14 और मेंडिस 22 रन बनाकर आउट हुए। **परेरा-असलंका की शतकीय साझेदारी** मिडिल ओवर में 83 रन के स्कोर पर तीसरा विकेट गंवाने के बाद कुसल परेरा (101 रन) ने कप्तान चरिथ असलंका (46 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। दोनों ने 45 बॉल पर 100 रन जोड़े। उन्होंने तीसरे विकेट पर फर्नांडो के साथ 41 रन की साझेदारी की थी। इस साझेदारी को जैकब डफी ने तोड़ा। उन्होंने फर्नांडो (17 रन) को LBW किया। न्यूजीलैंड की मजबूत शुरुआत, रचिन रवींद्र की फिफ्टी 219 रन का टारगेट चेज कर रही न्यूजीलैंड की टीम ने मजबूत शुरुआत की। टिम रॉबिंसन और रचिन रवींद्र ने 45 बॉल पर 81 रनों की ओपनिंग साझेदारी की। टीम ने पावरप्ले के 6 ओवर में बिना नुकसान के 63 रन बना लिए थे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट नं 0535 खाता 1272 ... रोड ... रांची से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फोन नं ,651-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/60670